महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

किताबों की अहमियत अपनी जगह पर है, लेकिन.,पाठ वही हमेशा याद रहता है, जो हमें वक्त व लोग सिखाते हैं...

वर्ष : 17 अंक : 52 | उज्जैन, शनिवार 1 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

लखनऊ में अवैध मीट-मछली की दुकानों पर चला नगर निगम का बुलडोजर, तेलीबाग से वृंदावन योजना रोड पर कार्रवाई

लखनऊ/ जीएनएस। तेलीबाग से वृंदावन योजना जाने वाले मार्ग पर अवैध रूप से संचालित मीट, मछली की दुकानों और खुलेआम शराब पीने वालों के विरोध में महिलाओं व स्थानीय लोगों द्वारा बुधवार शाम किए गए सड़क जाम और प्रदर्शन के बाद शुक्रवार को प्रशासन हरकत में आ गया। नगर निगम की टीम ने पुलिस की मौजूदगी में अभियान चलाकर सड़क किनारे अवैध रूप से लगी मीट-मछली की दुकानों को हटवा दिया। साथ ही आसपास किए गए अन्य अतिक्रमण पर भी कार्रवाई की गई। बुधवार को स्थानीय महिलाओं और क्षेत्रीय निवासियों ने आरोप लगाया था कि बिना अनुमति मीट-मछली की दुकानें संचालित होने से गंदगी फैल रही है, दुर्गंध के कारण राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं, कुछ लोग खुलेआम शराब पीते हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों का निकलना मुश्किल हो गया है। इसको लेकर लोगों ने तेलीबाग चौराहे से वृंदावन योजना मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के बाद पीजीआई थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने मामले का संज्ञान लेते हुए नगर निगम को अवगत कराया और अवैध दुकानों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया। इसके बाद शुक्रवार दोपहर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और अवैध रूप से संचालित मीट-मछली की दुकानों को हटवाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे किए गए अन्य अतिक्रमण भी हटाए गए। वहीं दूसरी तरफ स्थली महिलाओं सहित लोगों का कहना है कि यह दुकान एक के शह पर खोली जाती है कुछ दिन हटती है फिर लगा ली जाती है, क्षेत्रीय पुलिस और नगर निगम को आगे ऐसी मीट मछली सहित अन्य अवैध दुकाने ना लगे उसे पर ध्यान देना होगा।

विदेशों से लौट रहीं प्राचीन मूर्तियां, तो देश के किलों से कैसे चोरी हो रही ऐतिहासिक धरोहर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। एक ओर केंद्र सरकार चोरी कर विदेश में पहुंच चुके भारतीय पुरावशेषों और प्राचीन मूर्तियों को वापस लाने में लगातार सफलता हासिल कर रही है, वहीं दूसरी ओर देश के संरक्षित स्मारकों और मंदिरों से बहुमूल्य पुरावशेषों की चोरी चिंता बढ़ा रही है। अंतरराष्ट्रीय मूर्ति तस्करी गिरोह के सरगना सुभाष कपूर की 2011 में गिरफ्तारी के बाद कुछ वर्षों तक ऐसे मामलों में कमी आई थी, लेकिन अब फिर से प्राचीन मूर्तियों और पुरावशेषों की चोरी के मामले सामने आने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय कला बाजार में भारतीय पुरावशेषों की भारी मांग के कारण तस्कर लगातार ऐतिहासिक धरोहरों को निशाना बना रहे हैं। एएसआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के निर्देश पर धरोहरों को चोरी से बचाने के लिए सख्त इंतजाम किए गए हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के ऐतिहासिक नरवर किले का है, जहां से करीब 500 वर्ष पुरानी और तीन हजार किलोग्राम से अधिक वजनी अष्टधातु की ऐतिहासिक तोप चोरी हो गई। राज्य पुरातत्व विभाग की चोरी हुई इस धरोहर को जांच एजेंसियां संगठित पुरावशेष तस्करी गिरोह से जोड़कर देख रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि बरामद पुरावशेषों को समय रहते विदेश भेजे जाने से रोक लिया गया। सभी मामलों में एफआइआर दर्ज कर जांच जारी है। एएसआइ के मुताबिक स्मारकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, निजी सुरक्षा एजेंसियों और आवश्यकता पड़ने पर सीआइएसएफ की मदद ली जा रही है। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस में मामला दर्ज कर सीमा शुल्क विभाग समेत संबंधित एजेंसियों को अलर्ट किया जाता है, ताकि चोरी की वस्तुओं को देश से बाहर भेजने से रोका जा सके। वर्ष 2022 में कर्नाटक के मंड्या जिले के मरेहल्ली स्थित गणपति अम्मा एवं लक्ष्मी नरसिंह मंदिर से चोरी हुई गणपति की पत्थर की मूर्ति।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती कर रही उन्नतशील कृषि सखियों से किया संवाद

प्राकृतिक खेती सेहत और आमदनी का सबसे अच्छा स्रोत ~ मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि झाबुआ जिले में प्राकृतिक खेती के पर्याप्त अवसर हैं। प्राकृतिक खेती न सिर्फ सेहत के लिए, बल्कि अच्छी आमदनी का भी अवसर प्रदान कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में नए अवसर पैदा हुए हैं। इसके लिए प्रदेश में कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत सभी आवश्यक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में प्रदेश स्तरीय ÷स्व-सहायता समूहों का क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम÷ में शामिल हुए। यहां उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई प्राकृतिक खेती कर रहीं उन्नतशील कृषि सखियों और किसानों से संवाद किया। उन्होंने किसानों के अनुभव जाने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने की जीवामृत और बीजामृत बनाने का प्रशिक्षण देने वाली उन्नत कृषि सखियों के कार्यों की सराहना- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम देवीगढ़, विकासखंड मेघनगर की उन्नतशील कृषि सखी श्रीमती संगीता डामोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उनके अनुभवों एवं प्रयासों की सराहना की। संवाद के दौरान श्रीमती डामोर ने बताया कि उन्होंने कृषि सखी के रूप में प्राकृतिक खेती का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्तमान में वे अपने गांव एवं आसपास के 125 किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दे रही हैं। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से बीजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक आदान बनाने की विधियां बता रही हैं। उन्होंने बताया कि वे लगभग एक हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रही हैं तथा पिछले चार वर्षों से आत्मा परियोजना से जुड़कर नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ अन्य किसानों तक भी पहुंचा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि प्राकृतिक खेती एवं बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने से गेहूं का उत्पादन 35 क्विंटल से बढ़कर 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया, जिससे उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि का प्रभावी माध्यम बन रही है। श्रीमती डामोर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री स्वयं कृषि सखियों से पास पहुंच कर की चर्चा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं कृषि सखियों के पास जाकर उनसे प्राकृतिक खेती के अनुभवों को जाना और प्राकृतिक खेती से होने वाली आमदनी की जानकारी ली। उन्होंने सभी बहनों को आगामी रक्षाबंधन के त्योहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रगतिशील किसान विमल ने अपनाई प्राकृतिक खेती, दोगुना आर्थिक लाभ लेने लगे- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले के विकासखंड झाबुआ के ग्राम खेड़ी निवासी प्रगतिशील कृषक श्री विमल भाबोर से संवाद कर प्राकृतिक खेती के उनके अनुभव जाने। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने उनसे प्राकृतिक खेती अपनाने की प्रेरणा, खेती में आए बदलाव, आय में हुई वृद्धि तथा अन्य किसानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की।

देश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का निधन, श्रीलंका में शांति सेना के ऑपरेशन में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना के पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का शुक्रवार को 96 साल की उम्र में निधन हो गया। जनरल शर्मा ने चीन के साथ 1987 के सैन्य गतिरोध के दौरान अहम भूमिका निभाई थी।

1950 में 16वीं लाइट कैवेलरी में कमीशन पाने वाले जनरल शर्मा, आजादी के बाद कमीशन पाने वाले पहले ऐसे अधिकारी थे जो सेना प्रमुख के पद तक पहुंचे थे। उन्होंने 1 मई 1988 से 30 जून 1990 तक 14वें सेना प्रमुख के तौर पर सेवाएं दीं।

इसी दौरान श्रीलंका में भारतीय शांति सेना (ढ्ढक्कस्न) का ऑपरेशन चल रहा था और पूर्वोत्तर में स्थिति संवेदनशील थी। जिसमें उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मेजर के तौर पर अहम लड़ाई लड़ी- मेजर के तौर पर उन्होंने 1965 की लड़ाई में लाहौर सेक्टर में लड़ाई लड़ी। बाद में उन्होंने 66 आर्मर्ड रेजिमेंट की कमान संभाली और वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में इंस्ट्रक्टर के तौर पर काम किया। साल 1971 की लड़ाई के दौरान, उन्होंने एक आर्मर्ड डिवीजन के कर्नल जनरल स्टाफ (ऑपरेशन्स) के तौर पर सेवाएं दीं। उनकी बाद की कमानों में उग्रवाद प्रभावित इलाकों में माउंटेन ब्रिगेड, राजस्थान में आर्मर्ड ब्रिगेड और पूर्वी सेक्टर में माउंटेन डिवीजन शामिल थे। उन्हें अति विशिष्ट सेवा मेडल और बाद में परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। पूर्वी सेना कमांडर के तौर पर जनरल शर्मा का कार्यकाल अरुणाचल प्रदेश में तनावपूर्ण सुमदोरोंग चू गतिरोध के समय का था।

जनरल शर्मा के कार्यकाल के दौरान सेना एक तरफ श्रीलंका में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (रुञ्जञ्जश्व) से लड़ रही थी, तो दूसरी तरफ पूर्वोत्तर और पंजाब में उग्रवाद का भी सामना कर रही थी।

जैसलमेर में ऊंट से टकराकर 5 बार पलटी गाड़ी, मेजर की मौत; दो लेफ्टिनेंट घायल

जयपुर/ जीएनएस। गुरुवार देर रात जैसलमेर मिलिट्री स्टेशन के पास एक दुखद सड़क हादसे में भारतीय सेना के एक युवा मेजर की जान चली गई और लेफ्टिनेंट रैंक के दो अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जैसलमेर शहर से लगभग 6 किलोमीटर दूर तब हुआ, जब उनकी एसयूवी एक ऊंट से टकराकर अनियंत्रित हो गई। इस हादसे में ऊंट की भी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, सेना के तीनों अधिकारी अपनी निजी एसयूवी काले रंग की टाटा सफारी, नंबर- लछ्ठ39ष्ट1403 से शहर से जैसलमेर मिलिट्री स्टेशन लौट रहे थे। वॉर म्यूजियम के पास अचानक एक ऊंट सड़क पर आ गया। गाड़ी जानवर से टकराकर बेकाबू हो गई, लगभग पांच बार पलटी और रुकने से पहले करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई।

अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा, कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं में जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली/ जीएनएस। आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को फरवरी 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

इस मामले में अदालत ने 13 जुलाई को ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या, आपराधिक साजिश समेत विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया था।

हत्या पूरी तरह सुनियोजित- सजा पर हुई बहस के दौरान अभियोजन पक्ष के विशेष लोक अभियोजक मधुकर पांडे ने अदालत से कहा था कि यह हत्या पूरी तरह सुनियोजित, निर्मम और समाज में भय का माहौल पैदा करने वाली थी।

उन्होंने मामले को रेयरेस्ट ऑफ द रेयर बताते हुए सभी दोषियों को मृत्युदंड देने की मांग की थी। अभियोजन पक्ष का तर्क था कि इस तरह के अपराध पर कठोरतम दंड दिया जाना आवश्यक है ताकि समाज में स्पष्ट संदेश जाए।

बचाव पक्ष ने किया था कम सजा देने का अनुरोध- वहीं, बचाव पक्ष ने मृत्युदंड का विरोध करते हुए अदालत से कहा था कि यह मामला रेयरेस्ट ऑफ द रेयर की श्रेणी में नहीं आता। बचाव पक्ष ने दोषियों की सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों सहित अन्य आधारों का हवाला देते हुए उन्हें मृत्युदंड न देने और कम सजा देने का अनुरोध किया था।

दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद अदालत ने सजा पर फैसला सुनाने के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी। अब सभी की निगाहें अदालत के फैसले पर टिकी हैं। अंकित शर्मा का शव 26 फरवरी 2020 को चांदबाग क्षेत्र के एक नाले से बरामद हुआ था।

राज्य आजीविका मिशन की रैंकिंग ने PM मोदी का संसदीय क्षेत्र अव्वल, स्वरोजगार की दिशा में भी शानदार कार्य

वाराणसी/ जीएनएस। प्रदेश राज्य आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के उत्थान, स्व रोजगार और आत्मनिर्भरता में बेहतर कार्य का इनाम वाराणसी को मिला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में नारी सशक्तिकरण के साथ ही महिलाओं को आर्थिक मजबूत करने की दिशा में शानदार पहल हुई है।

प्रदेशीय आजीविका मिशन के विभिन्न मापदंडों को शामिल करते हुए जारी रैंकिंग में वाराणसी पहले स्थान पर है। मई में भी रैंकिंग प्रथम ही थी। प्रदेश का अंबेडकर नगर दूसरे व बिजनौर को रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला। मई की रैंकिंग के तुलना में इटावा को चार जबकि हापुड़ को दो पायदान का नुकसान हुआ। टाप फाइव में अयोध्या व आगरा जनपद भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखनऊ मुख्यालय हर माह विभिन्न इंडिकेटर को सम्मिलित कर रैंकिंग जारी करता है। मई 2026 की रैंकिंग में भी वाराणसी पहले स्थान पर काबिज था। पिछले साल इस उपलब्धि पर मिशन की टीम को डिप्टी सीएम ने सम्मानित भी किया था।

वाराणसी में समूह से जुड़कर महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ। उन्हें खुलकर जीवन जीने की आजादी मिली। रोजगार के अवसर मिले। कौशल को निखारने एवं प्रदर्शित करने मंच मिला। आजीविका मिशन के जरिए महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर दे रहा है।

बाइक की पहली ही राइड में आई खराबी, कंज्यूमर कोर्ट ने ग्राहक को 2.3 लाख मुआवजा देने का दिया आदेश

तिरुवनंतपुरम/ जीएनएस। केरल के त्रिशूर में एक उपभोक्ता आयोग ने रॉयल एनफील्ड और उसके अधिकृत डीलर को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी ठहराया है। आयोग ने पाया कि ग्राहक को बेची गई नई मोटरसाइकिल में शुरुआत से ही कई खराबियां थीं।

इसे एक नए वाहन के मानकों के विपरीत मानते हुए, आयोग ने निर्माता और डीलर को संयुक्त रूप से 2.3 लाख रुपये से अधिक का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

ग्राहक ने क्यों किया था आयोग का रुख- शिकायतकर्ता ने शानदार क्वालिटी के आश्वासन के बाद नवंबर 2016 में एक नई रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल बुक की थी। लोन की राशि मिलाकर उसने लगभग 1.32 लाख रुपये का भुगतान किया और 12 दिसंबर 2016 को बाइक की डिलीवरी ली।

ग्राहक का दावा था कि डिलीवरी के तुरंत बाद अपनी पहली टेस्ट राइड में ही उसे बाइक में कई कमियां नजर आईं। इनमें अलाइनमेंट की समस्या, खराब पेंट, व्हील ड्रम और साइलेंसर पर जंग जैसी शिकायतें शामिल थीं। ग्राहक को शक था कि यह बाइक चेन्नई में आई बाढ़ से प्रभावित हो सकती है, इसलिए उसने इसे बदलने की मांग की।

हालांकि, डीलर ने इससे इनकार कर दिया और आश्वासन दिया कि पहली सर्विसिंग में कमियों को ठीक कर दिया जाएगा। पुलिस और आरटीओ से कोई ठोस समाधान न मिलने पर अंततः ग्राहक ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया।

कंपनी और डीलर की क्या थी दलील- डीलर ने डिलीवरी के समय किसी भी प्रकार की खराबी होने से इनकार किया। उनका दावा था कि ग्राहक कभी बाइक को निरीक्षण के लिए उनके अधिकृत सर्विस सेंटर लाया ही नहीं।

वहीं, निर्माता कंपनी रॉयल एनफील्ड का तर्क था कि वारंटी शर्तों के तहत वे केवल खराब पार्ट्स की मरम्मत करने या उन्हें बदलने के लिए बाध्य हैं, ना कि पूरी मोटरसाइकिल को बदलने या पैसे वापस करने के लिए।

पीएम किसान योजना से समुद्र मंथन तक... मोदी कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले

नई दिल्ली/ जीएनएस। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया। कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत पहले से ही दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है। अब इस नई योजना के माध्यम से देश के जल निकायों यानी जलाशयों की सतह का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जाएगा। इस पहल से देश में स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को और अधिक गति मिलेगी और प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा।

मोदी सरकार का किसानों को बड़ा तोहफा- केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

योजना के तहत पात्र किसानों को हर साल 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता 2,000 रुपये की तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में दी जाती रहेगी। फसल चक्र के अनुसार समय पर मिलने वाली इस मदद से किसान आसानी से बीज, खाद और कृषि सामग्री खरीद सकेंगे।

सरकार के इस फैसले से किसानों की महंगे कर्ज पर निर्भरता कम होगी और विशेषकर छोटे व सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति अधिक मजबूत होगी।

मंत्रिमंडल का एक अन्य महत्वपूर्ण फैसला देश में खेल संस्कृति और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने से संबंधित है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि खेलो इंडिया योजना को विस्तार देते हुए अगले पांच वर्षों के लिए 29,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के थाना सेंट्रल कोतवाली पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और फील्ड इंटेलिजेंस की मदद से अंधे हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम सहित विभिन्न शहरों के 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और करीब 30 संदिग्धों से पूछताछ के बाद आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

पुलिस के अनुसार थाना सेंट्रल कोतवाली क्षेत्र में कुछ दिन पहले एक व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला था। मृतक की पहचान उज्जैन निवासी महेश मालवीय के रूप में हुई थी। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर मामले की जांच की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आरोपी से जुड़े संभावित स्थानों के 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और फील्ड इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपी की पहचान रायसेन जिले के नादौर निवासी 30 वर्षीय आशीष उर्फ चंदू के रूप में हुई। आरोपी मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करता था, इसके बावजूद पुलिस ने लगातार तलाश करते हुए उसे 30 जुलाई 2026 को इंदौर बायपास से गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि शराब पीने के दौरान मृतक से उसका विवाद हो गया था। कहासुनी बढ़ने पर उसने पास में पड़ी ईंट से महेश के सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी ने पूछताछ में हत्या करना स्वीकार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार आशीष उर्फ चंदू आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ मंडीदीप (रायसेन), जीआरपी उज्जैन तथा थाना बागसेवनिया (भोपाल) में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर पुलिस ने इस कार्रवाई को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक जांच और पारंपरिक पुलिसिंग के बेहतर समन्वय का परिणाम बताया है, जिससे गंभीर अपराध का त्वरित खुलासा संभव हो सका।

शहरी गरीबी उपशमन योजनाओं की समीक्षा, 7 अगस्त से 'जन विश्वास अभियान' शुरू होगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम के शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ प्रभारी मनीष शर्मा (मामा) ने शुक्रवार को महापौर सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त चंद्रशेखर निगम सहित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समयबद्ध कार्यवाही के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में मनीष शर्मा ने सभी जोनल कार्यालयों में पदस्थ जोन प्रभारियों, वार्ड प्रभारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन वार्ड प्रभारियों ने अब तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, उनकी सूची तत्काल उपलब्ध कराई जाए और उन्हें दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जाए। इसके बाद भी कार्यभार ग्रहण नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने सभी वार्ड प्रभारियों को नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का भ्रमण करने और जनप्रतिनिधियों तथा पार्षदों के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केवाईसी कार्य में तेजी लाने के लिए सभी ऑपरेटरों और वार्ड प्रभारियों को अपने मोबाइल नंबर तत्काल संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा गया।

मनीष शर्मा ने बताया कि 7 अगस्त से जन विश्वास अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत जनप्रतिनिधि और अधिकारी वार्ड स्तर पर आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगे।

उन्होंने विभागीय टीम को घर-घर जाकर केवाईसी, वार्ड एवं जोन परिवर्तन और नई समग्र आईडी बनाने का कार्य प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को पेंशन योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी घर-घर संपर्क अभियान चलाने को कहा।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2025 का आयोजन 2 अगस्त रविवार को होगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2025 (भाग-2) का आयोजन 2 अगस्त(रविवार) को ऑफलाइन पद्धति से किया जाएगा। परीक्षा अग्रांकित 6 विषयों के लिए दो सत्रों में आयोजित होगी। प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक इंदौर एवं भोपाल संभाग के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगा।

परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर नवीन त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया लागू की गई है। इसके अंतर्गत सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर के माध्यम से तलाशी तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं की जाएंगी। सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के 90 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा। प्रवेश से पूर्व प्रत्येक अभ्यर्थी की त्रिस्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर अनुमत एवं प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची प्रदर्शित रहेगी, जिसका पालन करना अनिवार्य होगा। परीक्षार्थियों की तलाशी हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर के माध्यम से की जाएगी। पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा पृथक केबिन में की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को अपनी सुविधा अनुसार महिला अथवा पुरुष कर्मचारी से जांच कराने का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

बिचौली हप्सी में राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई

डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त, अवैध कॉलोनी का निर्माण भी ध्वस्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे करने तथा अवैध कालोनी विकसित करने वालों के विरुद्ध मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को बिचौली हप्सी अनुभाग में प्रभावी एवं बड़ी कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार श्री अनिल पटेल, हल्का पटवारी एवं राजस्व अमले की संयुक्त टीम ने ग्राम बिहाड़िया में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

कार्रवाई के दौरान ग्राम बिहाड़िया स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 264/1, रकबा 6.438 हेक्टेयर में से राजाराम पिता शंकरलाल यादव द्वारा शासकीय भूमि के लगभग एक एकड़ क्षेत्र पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान मौके पर बने टिन शेड को ध्वस्त कर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया।

इसके साथ ही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान के तहत अवैध कॉलोनाइजर अतुल अग्रवाल द्वारा भूमि सर्वे क्रमांक 241/6/1 एवं 241/6/2 पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। यह कॉलोनी भूमि स्वामी श्रवण यादव, लाल सिंह, लक्ष्मीनारायण पिता मोहन एवं अन्य की भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के विकसित की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान एसडीएम श्री अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार श्री अनिल पटेल सहित राजस्व विभाग का अमला उपस्थित रहा।

उद्योगों में फायर सेफ्टी और रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर जोर, महापौर ने कार्यशाला कराने की घोषणा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को महापौर सभाकक्ष में एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयों में अग्नि सुरक्षा और वर्षा जल संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अपर आयुक्त प्रखर सिंह, एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश मेहता, सचिव तरुण व्यास, प्रमोद डफरिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने सांवेर रोड, पोलो ग्राउंड और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित इकाइयों को फायर सेफ्टी पॉलिसी के दिशा-निर्देशों और मानकों के पालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं से महापौर को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही औद्योगिक क्षेत्र में नगर निगम के फायर सेफ्टी विभाग, फायर विशेषज्ञों, कंसल्टेंट और उद्योग प्रतिनिधियों की सहभागिता से विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में फायर सेफ्टी पॉलिसी, अग्नि सुरक्षा मानकों, आवश्यक व्यवस्थाओं और आग की घटनाओं की रोकथाम के उपायों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा।

महापौर ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने उद्योग संचालकों से सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का समयबद्ध पालन करने और नगर निगम के साथ सहयोग करने की अपील की।

बैठक में वर्षा जल संरक्षण पर भी विशेष चर्चा हुई। एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों ने औद्योगिक इकाइयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को बढ़ावा देने और जल संरक्षण के प्रयासों में नगर निगम के साथ पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। महापौर ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की बड़ी आवश्यकता है और उद्योगों की सक्रिय भागीदारी से इस दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

इंदौर में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र अब सभी 22 जोनल कार्यालयों से मिलेंगे, मुख्यालय जाने की जरूरत खत्म

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम ने जन्म और मृत्यु पंजीयन सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सरल और सुलभ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित इस संबंध में सभी सेवाएं नगर निगम के सभी 22 जोनल कार्यालयों पर उपलब्ध होंगी। इससे नागरिकों को अब निगम मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और वे अपने नजदीकी जोनल कार्यालय से ही संबंधित सेवाओं का लाभ ले सकेंगे।

सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार यह नई व्यवस्था लागू की गई है। जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग ने सभी जोनल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक जोन के अंतर्गत आने वाले निजी अस्पतालों तथा श्मशान और कब्रिस्तानों से प्राप्त जन्म एवं मृत्यु पंजीयन से जुड़े सभी कार्य संबंधित जोनल अधिकारी के अधीक्षण और नियंत्रण में संपादित किए जाएंगे।

इसके अलावा पुराने जन्म एवं मृत्यु पंजीयन (ओल्ड बर्थ एवं ओल्ड डेथ रजिस्ट्रेशन) से संबंधित आवेदन, जो पहले निगम मुख्यालय स्थित जन्म-मृत्यु पंजीयन विभाग में जमा होते थे, अब संबंधित जोनल कार्यालयों को भेजे जाएंगे। वहां आवश्यक प्रविष्टियां करने के बाद जिला रजिस्ट्रार, योजना एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, इंदौर द्वारा उनका अनुमोदन किया जाएगा।

अब तक शहर और निगम सीमा में जन्म या मृत्यु होने पर प्रमाण पत्र, डिजिटल प्रमाण पत्र, संशोधन या पुराने रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए नागरिकों को निगम मुख्यालय जाना पड़ता था। नई व्यवस्था के तहत सभी 22 जोनल अधिकारियों को सब-रजिस्ट्रार की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे अब ये सभी सेवाएं संबंधित जोनल कार्यालयों में ही उपलब्ध रहेंगी। इससे नागरिकों का समय बचेगा और जन्म-मृत्यु पंजीयन संबंधी कार्य अधिक तेजी और सुविधा के साथ पूरे हो सकेंगे।

इंदौर जिले में लगभग 4 करोड रुपए मूल्य की शासकीय भूमि कराई गई अतिक्रमण मुक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के अनुरूप इंदौर जिले में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कनाडिया श्री दीपक चौहान के नेतृत्व में ग्राम खेमाना एवं चौहानखेड़ी की कांकड़ स्थित शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकर्ता श्री जीवन गोयल द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाकर लगभग 0.549 हेक्टेयर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 4 करोड़ रुपये है। राजस्व अमले की उपस्थिति में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न की गई। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा तथा राजस्व एवं पुलिस विभाग के समन्वित प्रयासों से कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की गई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान जिले में पूरी गंभीरता के साथ निरंतर जारी रहेगा। शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा अथवा अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'सेग्रीगेशन वाली सेल्फी' से इंदौर ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, SABB अभियान का भव्य समापन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में एक और उपलब्धि अपने नाम दर्ज करते हुए सेग्रीगेशन वाली सेल्फी अभियान के तहत विश्व रिकॉर्ड बनाया है। शुक्रवार को रीजनल पार्क में आयोजित सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के समापन समारोह में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन ने आधिकारिक रूप से इस विश्व रिकॉर्ड की घोषणा करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। एक माह तक चले इस अभियान का समापन SABB वॉकेथॉन, सम्मान समारोह और स्वच्छता शपथ के साथ हुआ।

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के मार्गदर्शन में 1 से 31 जुलाई तक पूरे शहर में सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान चलाया गया। समापन अवसर पर महापौर ने रीजनल पार्क से स्व्क्क वॉकेथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं भी इसमें शामिल हुए। वॉकेथॉन रीजनल पार्क से चोइथराम मंडी चौराहा होते हुए पुनः रीजनल पार्क पहुंचकर संपन्न हुई।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल, महापौर परिषद सदस्य राजेश उदावत, मनीष शर्मा (मामा), सचेतक कमल वाघेला, पार्षद मलखान सिंह कटारिया, कंचन गिदवानी, अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, 800 से अधिक नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

समारोह के दौरान वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के प्रतिनिधि राजीव श्रीवास्तव और राजेश शुक्ला ने सेग्रीगेशन वाली सेल्फी अभियान के विश्व रिकॉर्ड की आधिकारिक घोषणा की और महापौर को प्रमाण-पत्र सौंपा। इसके साथ ही इंदौर ने स्वच्छता के क्षेत्र में एक और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की।

इस अवसर पर अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिला सफाई मित्रों और 10 उत्कृष्ट स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सहयोगियों को स्मृति-चिह्न और उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर की सबसे बड़ी ताकत उसके जागरूक नागरिक, सफाई मित्र और सामूहिक जनभागीदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में शहर लगातार नवाचार कर रहा है और इन्हें जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पहले सेल्फी विद टॉयलेट अभियान से विश्व रिकॉर्ड बनाया गया था और अब सेग्रीगेशन वाली सेल्फी के माध्यम से नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है।

महापौर ने कहा कि इंदौर की सफलता का मूल मंत्र घर-घर में स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण है। उन्होंने बताया कि जहां वर्ष 2026 की नई स्वच्छता गाइडलाइन में चार डस्टबिन रखने की व्यवस्था की गई है, वहीं इंदौर वर्ष 2022 से ही छह प्रकार के कचरे का पृथक्करण कर रहा है, जो शहर की दूरदर्शी सोच और स्वच्छता मॉडल की सफलता को दर्शाता है।

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने इसे पूरे शहर की उपलब्धि बताते हुए कहा कि इंदौर जो संकल्प लेता है, उसे पूरा करता है। वहीं अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि करीब एक माह की तैयारी और जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वच्छता मित्रों तथा सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयासों से यह विश्व रिकॉर्ड स्थापित करना संभव हो सका।

गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण और रिफिलिंग पर खाद्य विभाग की बड़ी छापामार कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, रिफिलिंग एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार 31 जुलाई 2026 को खाद्य विभाग के संयुक्त निरीक्षण दल ने सघन कार्रवाई की।

सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री एन.एस. मुवेल, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री अंकुर गुप्ता एवं सुश्री सुचिता दुबे के संयुक्त दल ने सागौर कुटी, धर्मकुंज गेट के पास स्थित एक परिसर पर औचक निरीक्षण किया।

पलक हत्याकांड में खुलासाः रिंग रोड पर जलाए कपड़े, घर में छिपाया मोबाइल, आरोपी जेल पहुंचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पलक काशिव हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी मयंक शाक्य को गुरुवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। इसके पहले पुलिस आरोपी को रिंग रोड ले गई। जले हुए कपड़े व पेट्रोल का डिब्बा जब्त किया। उसने मोबाइल भी स्विच ऑफ कर घर में छुपाया था।

आरोप है कि खजराना थाना क्षेत्र में तपेश्वरी बाग में रहने वाली 26 वर्षीय पलक की डबरा (दतिया) निवासी मयंक शाक्य ने मुंह दबाकर मारने के बाद पेट्रोल डाल कर आग लगा दी थी। आरोपी ने पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में बताया कि पेट्रोल डबरा से लेकर आया था। उसके बाद पलक के पास पहुंचा। सराफा चौपाटी पर घूम कर आया। शादी से इन्कार करने पर पलक की हत्या कर दी।

1 मिनट की सामूहिक शपथ में 1 लाख 25 हजार विद्यार्थियों एवं 5 लाख से अधिक ऑनलाइन सहभागियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में संचालित ÷नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0÷ अभियान जनसहभागिता के माध्यम से एक प्रभावी सामाजिक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस द्वारा नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित अभिनव पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है।

बालाघाट पुलिस ने अभियान के दौरान आयोजित एक मिनट के नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम के माध्यम से जनभागीदारी का नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस कार्यक्रम में जिले के 1 हजार 204 विद्यालयों के लगभग 1 लाख 25 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ नशे से दूर रहने एवं समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही 5 लाख से अधिक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से अभियान से जुड़कर नशामुक्ति के इस जनआंदोलन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

इस व्यापक जनसहभागिता, प्रभावी जनजागरूकता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को दृष्टिगत रखते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स , लंदन ने बालाघाट पुलिस की इस उपलब्धि को विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए Certificate of Excellence से सम्मानित किया है।

यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि नशे के विरुद्ध प्रभावी जनजागरूकता केवल प्रशासनिक प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग–विशेषकर विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, अभिभावकों तथा नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। बालाघाट पुलिस द्वारा संचालित यह पहल जनसहभागिता आधारित पुलिसिंग तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है।

जनोन्मुखी तथा सुलभ प्रशासन के उद्देश्य से किया जाएगा प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन- अध्यक्ष एसएन मिश्रा

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग ने मंदसौर में बैठक आयोजित की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन आयोग जनो?मुखी तथा सुलभ प्रशासन के उद्देश्य से प्रशासनिक इकाईयों के पुर्नगठन की दिशा में कार्य कर रहा है। इस संदर्भ में जिलों से सुझाव भी प्राप्त किये जा रहे है। उक?त जानकारी मंदसौर में आयोजित बैठक में मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष एस. एन. मिश्रा द्वारा दी गई। बैठक में आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला तथा सचिव अक्षय कुमार सिंह भी मौजूद थे। इस दौरान आयोग द्वारा अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशासनिक पुनर्गठन एवं युक्तिकरण के बारे में अवगत कराया गया आवश्यक सुझाव प्राप्त किए गए बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। प्रथम सत्र में जिला स्तरीय अधिकारीयो के साथ तथा द्वितीय सत्र में तहसील स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री

अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल तथा जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आयोग के अध्यक्ष एस.एन. मिश्रा ने बताया कि आयोग का उद्देश्य नई प्रशासनिक इकाइयों के गठन के साथ ही आमजन को सरल, त्वरित एवं पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना भी है। तहसील,विकासखंड तथा अन्य प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं, मुख्यालयों एवं पद संरचना को युक्तियुक?त ढंग से पुन~देखा जा रहा है। इसके लिए भौगोलिक दूरी, आवागमन की सुविधा, जनसंख्या घनत्व, आदिवासी क्षेत्र, प्राकृतिक सीमाएं तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, विद्युत एवं पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं को प्रमुख आधार बनाया जाएगा। श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि यदि किसी संस्था, समिति अथवा जनप्रतिनिधि से प्रशासनिक पुनर्गठन संबंधी कोई प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो कलेक्टर स्तर पर उसकी समुचित जांच कराई जाए, आयोग द्वारा निर्धारित प्रश्नावली के अनुरूप प्रस्ताव पूर्ण कराया जाए तथा परीक्षण उपरांत आयोग को प्रेषित किया जाए।

आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला ने बताया कि प्रशासनिक पुनर्गठन प्रक्रिया में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोग द्वारा ऑनलाइन पोर्टल एवं प्रश्नावली की व्यवस्था प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से आम नागरिक , सामाजिक संस्थाएं एवं जनप्रतिनिधि अपने सुझाव सीधे आयोग तक पहुंचा सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला एवं अनुविभाग स्तर पर बैठकें, विभागीय समीक्षा तथा नियमित फॉलोअप की व्यवस्था भी की गई है, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवहारिक एवं जनहितकारी निर्णय लिए जा सकें। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र से संबंधित प्रशासनिक सुधारों एवं पुनर्गठन के सुझाव कलेक्टर के माध्यम से आयोग को भेजें। आयोग सभी प्राप्त सुझावों का गहन परीक्षण कर अंतिम अनुशंसाएं राज्य शासन को प्रस्तुत करेगा।

आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासनिक युक्तियुक्तकरण से शासन की सेवाओं की पहुंच गांवों तक और अधिक सुलभ होगी। नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी , जिससे समय एवं आर्थिक संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि नई प्रशासनिक व्यवस्था से राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून-व्यवस्था एवं जनसुनवाई प्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी, साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा सेवा वितरण व्यवस्था में गति आएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि मंदसौर जैसे भौगोलिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जिले में प्रशासनिक पुनर्गठन से विकास कार्यों में गति आएगी , प्रशासनिक नियंत्रण और अधिक प्रभावी होगा तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक शासन की योजनाओं एवं सेवाओं की पहुंच बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सकेगी। आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि प्राप्त सभी सुझावों का परीक्षण कर नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ से की मुलाकात, नगर पालिका एवं पंचायत चुनाव को लेकर हुई महत्वपूर्ण बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य राजस्थान में आगामी नगर पालिका एवं पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी चित्तौड़गढ़ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमे उदयपुर संभाग चुनाव प्रभारी पूर्व मंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़,राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, उदयपुर संभाग प्रभारी नाहर सिंह जोधा, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, बेगूं विधायक सुरेश धाकड, भाजपा जिला अध्यक्ष रतन गाड़री, संगठन प्रभारी विमल अग्रवाल, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या एवं अर्जुन जिंगर के आतिथ्य में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने जनहित में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं, बिजली, सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंचाया गया है। सरकार द्वारा आयोजित शिविरों के माध्यम से लाखों लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है।

राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर आगामी नगर पालिका एवं पंचायत चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की विजय सुनिश्चित करने के लिए अभी से जुट जाएं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में कार्यकर्ताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि आज भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बेगूं विधायक सुरेश धाकड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि बेगूं विधानसभा क्षेत्र की सभी नगर पालिकाओं एवं पंचायत समितियों में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ अपना बोर्ड एवं समितियां बनाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के बाद भाजपा पदाधिकारियों ने विधायक सुरेश धाकड़ के नेतृत्व मे पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ को स्मृति चिन्ह देकर रावतभाटा आने का आग्रह किया।

बैठक में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेंद्र सिंह हाड़ा, भाजपा रावतभाटा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र दशोरा, भैंसरोड़गढ़ मंडल अध्यक्ष सुनील जैन, कुंडाल मंडल अध्यक्ष प्रहलाद मेघवाल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वीणा दशोरा, जिला मंत्री काली बाई मीणा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आगामी नगर पालिका एवं पंचायत चुनावों की रणनीति, संगठन की मजबूती तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने पूर्ण उत्साह एवं एकजुटता के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया।

अपनी ही सरकार पर बरसे विधायक हजारों पेड़ काटकर बांध बनाया जा सकता है तो सड़क के लिए वन विभाग की बाधा क्यों?

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान चितौड़गढ़ जिले की बेगू विधानसभा क्षेत्र के युवा जन जन के लाडले विकास पुरुष विधायक डॉ. सुरेश धाकड़ ने गुरुवार को रावतभाटा नगरपालिका सभागार में आयोजित जनसुनवाई के दौरान ब्राह्मणी बैराज और बेगूं से चेचट तक फोरलेन सड़क निर्माण के मुद्दे पर बेहद तल्ख और आक्रामक तेवर अपनाया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जब तक प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिलेगा और काटूंदा मोड़ से चेचट तक फोरलेन सड़क का निर्माण नहीं होगा, तब तक ब्राह्मणी बैराज का निर्माण किसी भी कीमत पर शुरू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क नहीं, उचित मुआवजा नहीं, तब तक पत्थर भी नहीं लगने दिया जाएगा।

कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने पिपलिया मंडी ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवागत कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने शुक्रवार को जिले के पिपलिया मंडी क्षेत्र का भ्रमण किया। कलेक्टर ने पिपलिया मंडी ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचकर स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य का निरीक्षण किया। यहां उनके द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन मौजुद थे।

पिपलिया मंडी विश्राम ग्रह पर विकास खंड स्तरीय बैठक लेकर कलेक्टर शासन की योजनाओं निर्माण कार्यों की प्रगति से अवगत हुए क्षेत्र की सामान्य जानकारी भी प्राप्त की। शासन की लाडली लक्ष्मी योजना, आंगनवाड़ियों के संचालन, एनआरसी केंद्र संचालन की जानकारी प्राप्त की। ड्रॉप आउट बच्चों की जानकारी प्राप्त की। क्षेत्र में स्कूलों तथा छात्रावासों के संचालन से भी अवगत हुए स्टाफ संख्या तथा छात्र संख्या की जानकारी प्राप्त की। पुरानी नरेगा तथा वर्तमान वीबी जी राम जी योजना की भौतिक तथा वित्तीय उपलब्धि की समीक्षा की। नगर परिषद अधिकारी को नागरिक सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एसडीएम से राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति देखी गई। राजस्व प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा में निराकरण के लिए निर्देश दिए। आगामी मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देशित किया पूर्व तैयारी के साथ ही शिविर के सफल आयोजन हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर द्वारा क्षेत्र में पेयजल उपलब्धता की विशेष रूप से समीक्षा की गई। बताया गया कि क्षेत्र में कहीं भी पेयजल की समस्या नहीं है कलेक्टर द्वारा पेयजल स्त्रोत की जानकारी प्राप्त की गई किसी भी समस्या की स्थिति में वैकल्पिक पेयजल स्त्रोत निर्माण के निर्देश भी दिए गए। बैठक में विकासखंड स्तरीय समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस जिला उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ ने मंडी सचिव को सौंपा ज्ञापन, 1.5 प्रतिशत शुल्क बढ़ोतरी का किया कड़ा विरोध

मंडी शुल्क वृद्धि वापस नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलन-निर्विकार रातड़िया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन द्वारा मंडी शुल्क में की गई भारी बढ़ोतरी के विरोध में शुक्रवार, 31 जुलाई को जिला उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ (कांग्रेस) के तत्वावधान में मंडी सचिव को एक ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने बढ़ा हुआ टैक्स कम नहीं किया, तो व्यापारियों और किसानों के हित में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बिना चर्चा के थोपा गया 1.5 प्रतिशत टैक्स- जिला उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष निर्विकार रातड़िया ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने मंडी व्यापारियों से बिना किसी बातचीत के मंडी शुल्क में 1.5 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी कर दी है। इसका नुकसान सिर्फ व्यापारियों को ही नहीं होगा, बल्कि इसका सीधा असर अन्नदाता किसानों पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस भारी शुल्क वृद्धि के कारण मंडी व्यापारी यहां से पलायन करने को मजबूर होंगे, जिसका असर मंदसौर सहित पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

व्यापारी अर्थव्यवस्था की रीढ़, टैक्स वापसी हो- मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सोमिल नाहटा ने कहा कि व्यापारी किसी भी शहर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। उन पर इतना भारी-भरकम टैक्स लगा देना पूरी तरह से गलत है। सरकार को जल्द से जल्द यह बढ़ा हुआ टैक्स वापस लेना चाहिए।

मंडी की अव्यवस्थाओं पर भी उठाए सवाल- जिला कांग्रेस के महासचिव अजय लोढ़ा ने मंडी की लचर व्यवस्थाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मंडी में भारी अव्यवस्था है, जिससे व्यापारियों, किसानों और हम्मालों को रोज असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। मंडी प्रशासन को तत्काल प्रभाव से मंडी की व्यवस्थाएं सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। ज्ञापन का वाचन राजेश हिंगड़ ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, विकास दशोरा, मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष मनोज जैन, कुशल डोसी, संजय जैन अंकित, अभिषेक जैन, अरविंद जैन, कमलेश जैन, पलाश सेठी, हेमंत हिंगड़, दिनेश कल्याणी, सुरेंद्र कुमावत, वर्षा सांखला, उस्मान मंसूरी, अमित छाबड़ा, अक्षय जैन, अशोक पोरवाल, कमलेश रतनावत, सुनील गुप्ता और जितेन शर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं किसान उपस्थित थे।

जिला पंचायत की बैठक में गरजे तरुण बाहेती: अस्पताल, फसल बीमा, बिजली और CSR फंड पर प्रशासन को घेरा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।जिला पंचायत की साधारण सभा शुक्रवार को आरोप-प्रत्यारोप, तीखी बहस और जनहित के मुद्दों को लेकर हंगामेदार रही। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य तरुण बाहेती ने स्वास्थ्य, कृषि, बिजली, लोक निर्माण, वन, उद्योग, मत्स्य पालन और राजस्व विभाग से जुड़े कई मुद्दों पर प्रशासनिक अधिकारियों से जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में कई विभागों में जवाबदेही खत्म होती जा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता, किसान और मरीज भुगत रहे हैं।

जिला अस्पताल इलाज नहीं, भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया- बैठक में सबसे अधिक चर्चा जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर हुई। तरुण बाहेती ने आरोप लगाया कि अस्पताल में मरीजों को इलाज से ज्यादा अव्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में लगातार शिकायतें सामने आने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने डॉ. लाड धाकड़ से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले का उल्लेख करते हुए उच्च स्तरीय जांच और जिला अस्पताल में एक सक्षम प्रशासक की नियुक्ति की मांग की। बाहेती ने कहा कि निरीक्षण के बाद भी अस्पताल की व्यवस्थाएं फिर पुराने ढर्रे पर लौट जाती हैं और मरीजों को दवा, जांच एवं अन्य सुविधाओं के लिए भटकना पड़ता है।

फसल बीमा वितरण पर उठाए सवाल- किसानों के मुद्दे पर बाहेती ने कृषि विभाग और बीमा कंपनी के अधिकारियों से पूछा कि फसल बीमा वितरण किन मापदंडों के आधार पर किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई गांवों में फसल नुकसान की पुष्टि होने के बावजूद हजारों किसान बीमा राशि से वंचित हैं।

उन्होंने मांग की कि बीमा वितरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए, मापदंड सार्वजनिक किए जाएं और वंचित किसानों को शीघ्र बीमा राशि उपलब्ध कराई जाए।

बिजली कटौती और सड़क निर्माण पर भी नाराजगी- ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा उठाते हुए बाहेती ने कहा कि बिना पूर्व सूचना घंटों बिजली बंद रहने से किसानों और ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने बिजली कंपनी से पूर्व सूचना देने और अघोषित कटौती बंद करने की मांग की।

जलेश्वर महादेव रोड निर्माण में हो रही देरी पर भी उन्होंने वन विभाग और लोक निर्माण विभाग के बीच समन्वय की कमी का आरोप लगाया। इस पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मामला कलेक्टर के समक्ष रखकर समाधान कराने का आश्वासन दिया।

बैठक में जीरन तालाब के मत्स्य पालन ठेके की प्रक्रिया, उद्योगों द्वारा छ्स्क्रमद में खर्च की गई राशि और उसके उपयोग का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की गई। इसके साथ ही नीमच-सिंगोली मार्ग निर्माण के दौरान किसानों की जमीन से कथित अवैध उत्खनन का मुद्दा भी उठाया गया। बाहेती ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

आंगनवाड़ी केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण टेक होम राशन प्रदाय के लिए स्व-सहायता समूहों को दिया गया गहन प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशों के परिपालन में जनपद पंचायत नीमच के सभाकक्ष में सांझा चूल्हा योजना अंतर्गत टेक होम राशन का प्रदाय कर रहे स्व-सहायता समूहों के अध्यक्षों, सचिवों एवं प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय गहन प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रशिक्षण के दौरान स्व-सहायता समूहों को शासन द्वारा जारी परिशिष्ट-01 से 06 तक के व्यावहारिक संधारण एवं प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए 725 ग्राम तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए 850 ग्राम प्रति पैकेट की दर से पूरक पोषण आहार प्रत्येक माह दो चरणों (1 से 3 तथा 16 से 18 तारीख) में वितरित किया जाएगा।

कार्यशाला में शासकीय उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न उठाव, सुरक्षित भंडारण, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के गुणवत्ता मानकों का पालन तथा पैकेजिंग के दौरान स्व-सहायता समूह का नाम, निर्माण तिथि, एक्सपायरी तिथि एवं आवश्यक वैधानिक संदेश अंकित स्टिकर लगाने की प्रक्रिया का विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही समूह सदस्यों को मास्क, ग्लव्स, एप्रन एवं हेड कैप का उपयोग करते हुए पूर्ण स्वच्छता के साथ राशन निर्माण एवं पैकेजिंग का सजीव प्रदर्शन भी कराया गया।

कार्यशाला में पारदर्शी वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पोषण ट्रैकर ऐप पर फेस रिकग्निशन सिस्टम के माध्यम से हितग्राहीवार ऑनलाइन सत्यापन करने तथा स्व-सहायता समूहों द्वारा परिशिष्ट-05 के अनुसार द्विपक्षीय पावती पत्रक प्राप्त करने के निर्देश दिए गए।

गुणवत्ता नियंत्रण के तहत प्रत्येक माह रैंडम आधार पर सीलबंद राशन के नमूने प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे जाएंगे। प्रशिक्षण में स्पष्ट किया गया कि अमानक अथवा घटिया गुणवत्ता का राशन पाए जाने पर संबंधित समूह का भुगतान रोका जाएगा, अनुबंध निरस्त किया जाएगा तथा खाद्यान्न के विचलन या अवैध विक्रय की स्थिति में आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी।

जिला सेन समाज संगठन के तत्वावधान में 2 अगस्त को आयोजित होगा प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह एवं सामाजिक बैठक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेन समाज संगठन, नीमच के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी रविवार, 02 अगस्त 2026 को स्थानीय श्री नारायणी माता मंदिर, नीमच पर भव्य महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक एवं प्रतिभावान छात्र-छात्रा सम्मान समारोह% का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाजबंधुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है।

आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष सुखलालजी सेन (तारापुर) एवं जिला युवा अध्यक्ष चमनजी सेन (नीमच) ने बताया कि इस गरिमामयी समारोह में समाज के उन प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने वर्ष 2026 की परीक्षाओं (कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर या समकक्ष) में 75न्न या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इसके साथ ही, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल व अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभावान युवाओं को भी प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

दिवंगत समाजसेवियों की स्मृति में विशेष सम्मान - यह संपूर्ण सम्मान समारोह समाज की महान विभूतियों एवं दिवंगत आत्माओं की स्मृति को समर्पित रहेगा ।स्व. भंवरलालजी शास्त्री (मनासा) की स्मृति ,स्व. कन्हैयालालजी राठौर (मनासा) की स्मृति ,स्व. मदनलालजी भाटी (कनेरा) की स्मृति ,स्व. मोहित-अनिलजी कछावा (मनासा) की स्मृति मेंछात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण किए जाएंगे

मुख्य सम्मान समारोह से पूर्व आयोजित होने वाली सामाजिक बैठक में जोग-संयोग परिचय सम्मेलन का आय-व्यय विवरण, सेन जयंती महोत्सव का आय-व्यय विवरण तथा अध्यक्ष की अनुमति से समाज हित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श एवं प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

नीमच केंट पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 1 किलो 445 ग्राम अफीम के साथ पंजाब निवासी तस्कर गिरफ्तार, सप्लाई नेटवर्क की जांच शुरू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेशभर में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नीमच केंट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय तस्कर को 1 किलो 445 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी राजस्थान जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तस्करी के नेटवर्क और अफीम के स्रोत की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री के निर्देश एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल तथा नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ शर्मा के नेतृत्व में केंट पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

इसी क्रम में 30 जुलाई को उप निरीक्षक दिवान सिंह चौहान को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपने पास अवैध अफीम लेकर शोरूम चौराहे पर राजस्थान की ओर जाने वाली बस का इंतजार कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए मौके पर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को पकड़ लिया।

तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1 किलो 445 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम श्रवण कुमार पिता मुखराम माली (37 वर्ष), निवासी फिरोजपुर, पंजाब एवं वर्तमान निवासी ग्राम तिवरी, थाना ओसियां, जिला जोधपुर (राजस्थान) बताया।

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना नीमच केंट में अपराध क्रमांक 394/2026 के तहत धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपी से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद अफीम कहां से लाई गई थी, किसे सप्लाई की जानी थी तथा इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ शर्मा के नेतृत्व में उप निरीक्षक दिवान सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक सुनील वर्मा, प्रधान आरक्षक उमेश चौहान, प्रधान आरक्षक अजय सिंह राणावत, आरक्षक आशुतोष मिश्रा, आरक्षक कपिल मीणा, आरक्षक सोनेन्द्र सिंह राठौर, आरक्षक मधुसूदन बैरागी एवं आरक्षक राहुल सोलंकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रशासकीय कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टरों के नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रशासनिक कार्यों में अधिक दक्षता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया तथा कार्यों के प्रभावी निष्पादन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला स्तर पर अधिकारियों के बीच कार्यों का नवीन विभाजन करते हुए विस्तृत कार्य विभाजन आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टरों तथा अनुविभागीय अधिकारियों को विभिन्न विभागों एवं प्रशासनिक दायित्वों का पुनः आवंटन किया गया है। साथ ही अधिकारियों के मध्य लिंक व्यवस्था भी निर्धारित की गई है, जिससे किसी अधिकारी के अवकाश अथवा मुख्यालय से बाहर रहने की स्थिति में शासकीय कार्य प्रभावित न हो। आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री बी.एस. कलेश को उप जिला निर्वाचन अधिकारी (भारत निर्वाचन एवं राज्य निर्वाचन), स्थापना शाखा एवं कर्मचारी कल्याण, देवस्थान, भू-अर्जन आदी।

सम्पादकीय

बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत और धोखाधड़ी का काला खेल, जानें कैसे खाली हो रही है एफडी?

एक प्रवासी भारतीय (एनआरआई) ग्राहक दो वर्ष बाद जब अपनी बैंक शाखा पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि उनकी एक टर्म डिपॉजिट पर 'लियन' लगा था यानी उन्हें रकम निकालने या इधर-उधर करने की अनुमति नहीं थी। उन्हें यह देखकर काफी हैरानी हुई क्योंकि उन्होंने इस डिपॉजिट को गिरवी रखकर कर्ज नहीं लिया था बल्कि उन्होंने उस बैंक से ही कभी कोई कर्ज नहीं लिया था। लियन किसी ग्राहक के धन या संपत्ति पर किसी बैंक का कानूनी अधिकार होता है, जिसके जरिये कर्ज की अदायगी पक्की हो जाती है। बैंक खाते पर लियन लगा हो तो उसमें पड़ी रकम का एक हिस्सा कुछ समय के लिए रोक दिया जाता है। ग्राहक को खाते में वह रकम दिखाई तो देगी मगर वह उसे न तो निकाल सकता है, न ही कहीं भेज सकता है या खर्च कर सकता है।

छानबीन हुई तो उस प्रवासी ग्राहक के पैरों तले जमीन खिसक गई। यह मामूली धोखाधड़ी नहीं थी बल्कि इसमें कई बैंकों से जुड़े आपराधिक सिंडिकेट का हाथ था, जिसने कर्मचारियों की मिलीभगत, जाली दस्तावेजों, फर्जी ऋण और रियल एस्टेट सौदों का जाल बुना था। पूरा खेल उन लोगों के टर्म डिपॉजिट या फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की गुपचुप चोरी पर टिका है, जो उसे मुश्किल से पकड़ पाएंगे जैसे सालों तक बाहर रहने वाले एनआरआई और डिजिटल बैंकिंग से नावाकिफ बुजुर्ग।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी द्वारा 2026 की शुरुआत में राज्य सभा में पेश सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2021 में बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत वाले धोखाधड़ी के 2,624 मामले दर्ज किए गए थे, जिनकी संख्या वित्त वर्ष 2025 में घटकर 1,935 रह गई। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में ऐसे मामले और भी घटकर केवल 400 रह गए। लेकिन मामलों की संख्या घटने से यह पता नहीं चलता कि धोखाधड़ी कितनी पेचीदा है। आईआईएम बेंगलूरु के एक शोध पत्र में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि लगभग 34 प्रतिशत बैंकिंग धोखाधड़ी बैंक के कनिष्ठ और मध्य स्तर के कर्मचारी ही करते हैं। इससे बैंकों की ईमानदारी, विश्वसनीयता और प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े होते हैं।

एनआरआई के साथ हुई धोखाधड़ी इस तरह की पहली घटना नहीं है। देश में कई जगहों पर वर्षों पर ऐसा होता रहा है। मगर इस फर्जीवाड़े की शुरुआत कैसे होती है?

सबसे पहले बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच रखने वाला कोई कर्मचारी जाली कागज इस्तेमाल कर एनआरआई के टर्म डिपॉजिट के बदले कर्ज दिखाता है। टर्म डिपॉजिट की असली रसीद दी ही नहीं जाती। इससे प्रणाली में तो उस पर लियन रहता है मगर एनआरआई ग्राहक को पता नहीं चलता। इसके बाद एक शाखा दूसरी शाखा को बचाने आती है। एनआरआई के लौटने से पहले दूसरी शाखा में किसी और के टर्म डिपॉडिट पर एक और कर्ज लिया जाता है और उस पैसे से पहला कर्ज चुका दिया जाता है। इस तरह लियन हट जाता है, सबूत खत्म हो जाता है और दूसरे खाते से नई चेक बुक जारी कर दी जाती हैं, जिसकी जानकारी खाताधारक को नहीं होती।

आखिर में अपराधियों का सिंडिकेट हरकत में आता है। शक होने पर जब कोई एनआरआई शिकायत करता है, आंतरिक जांच शुरू होती है और पैसे का लेनदेन पकड़ा जाता है तब पता चलता है कि कोई बेईमान कर्मचारी अकेले काम नहीं कर रहा था बल्कि एक ही शहर के कई बैंकों के कर्मचारी मिलकर एक दूसरे को बचाने के लिए धोखाधड़ी वाला ऋण एक जगह से दूसरी जगह घुमा रहे थे। ऋण की रकम आम तौर पर जायदाद के सौदों में इस्तेमाल की जाती है। शक होने पर जब ग्राहक पूछताछ करता है तो कोई नया कर्ज लेकर उसके खाते का ऋण खत्म कर दिया जाता है।

ऐसी वारदात बैंकिंग कारोबार में विश्वास का गलत फायदा उठाकर अंजाम दी जाती हैं। बैंक शाखाओं में कर्मचारी जमा का रीन्यूअल कर सकते हैं, एनआरआई व अन्य ग्राहकों की मदद कर सकते हैं और बुजुर्ग खाताधारकों के कागजात संभाल सकते हैं। उन पर नजर भी नहीं रखी जाती।

मैं कहानी नहीं बना रहा हूं। चेन्नई में 2025 में संगठित अपराधों की जांच करने वाली केंद्रीय अपराध शाखा ने फर्जीवाड़े और अनधिकृत निकासी से जुड़े 18 मामलों में 49 बैंक कर्मचारी गिरफ्तार किए थे, जिनमें एनआरआई की एफडी को निशाना बनाने वाले क्लर्क, कैशियर और प्रबंधक तक शामिल थे। उसी वर्ष मोहाली में एक सार्वजनिक बैंक के शाखा प्रबंधक को एक रिटायर्ड शिक्षक की एफडी गिरवी रख 93 लाख रुपये का कर्ज लेने के आरोप में पकड़ा गया। पता तब चला, जब कर्ज लिए जाने के छह महीने बाद शिक्षक यूं ही बैंक पहुंच गए। 2025 में ही कोटा में बहुत बड़े निजी बैंक का 26 साल का एक रिलेशनशिप मैनेजर पकड़ा गया, जिसने 41 ग्राहकों के 110 खातों से 4.58 करोड़ रुपये इधर-उधर कर दिए थे। इनमें ज्यादातर खाते वरिष्ठ नागरिकों के थे और यह पैसा इक्विटी डेरिवेटिव्स में लगाया गया था।

कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (सीबीएस) आने से पहले हिसाब-किताब हाथ से लिखा जाता था और धोखाधड़ी के सबूत मिल जाते थे जैसे अलग स्याही, गुम पर्चियां, अलग लिखावट। हर एंट्री पर कर्मचारी के दस्तखत भी होते थे। इसलिए बड़ा फर्जीवाड़ा करना मुश्किल था। लेकिन सीबीएस ने सब बदल दिया। मानवीय गलतियां खत्म करने, तत्काल लेनदेन मुमकिन बनाने और अलग-अलग शाखाओं के ग्राहकों को आसानी से जोड़ने के लिए लाई गई सीबीएस ने यह सब तो किया मगर भीतर बैठकर धोखाधड़ी करने वालों की राह भी आसान कर दी, जिसका पता रोजाना होने वाले लाखों लेनदेन के बीच नहीं लग पाता।

सूक्ष्म चेतना तंत्र की जागृति - सहजयोग

मनुष्य का शरीर केवल मांस, अस्थियों और रक्त का बना हुआ ढांचा नहीं है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के अनुसार इसके भीतर एक सूक्ष्म चेतना तंत्र भी कार्य करता है, जो हमारे विचारों, भावनाओं और आंतरिक संतुलन को प्रभावित करता है। जब यह तंत्र संतुलित रहता है, तब व्यक्ति स्वयं को अधिक शांत, प्रसन्न और ऊर्जावान अनुभव करता है।

हमारे हाथों की हथेलियाँ और उंगलियों के अग्रभाग केवल स्पर्श का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इन्हें सूक्ष्म संवेदनाओं का भी वाहक माना गया है। सहज योग में आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक अपनी हथेलियों और उंगलियों पर शीतल चैतन्य की अनुभूति कर सकता है। यह अनुभव किसी बाहरी कल्पना का नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर जागृत आध्यात्मिक चेतना का संकेत माना जाता है।

भारतीय ऋषियों और संतों ने सदियों पहले बताया था कि मनुष्य के भीतर सूक्ष्म नाड़ियाँ और ऊर्जा केंद्र (चक्र) विद्यमान हैं। जब इन केंद्रों में संतुलन बना रहता है, तब मानसिक और भावनात्मक स्थिरता भी बढ़ती है। सहज योग की ध्यान पद्धति का उद्देश्य इसी आंतरिक व्यवस्था को संतुलित करना है। नियमित ध्यान के दौरान यदि किसी चक्र में असंतुलन हो, तो उसकी अनुभूति हथेलियों या उंगलियों में गर्माहट, झनझनाहट अथवा अन्य सूक्ष्म संकेतों के रूप में हो सकती है।

सहज योग का मूल आधार यह है कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर आत्मा विद्यमान है और उसी के माध्यम से परम चेतना का अनुभव संभव है। जब आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है, तब व्यक्ति अपने भीतर प्रवाहित होने वाली शीतल चैतन्य ऊर्जा का अनुभव करता है। यह अनुभव न केवल आत्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में भी सहायक बनता है। ध्यान के नियमित अभ्यास से व्यक्ति तनाव, क्रोध और अनावश्यक मानसिक अशांति पर नियंत्रण पाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। साथ ही वह अपने विचारों को अधिक स्पष्टता से देखना और स्वयं के भीतर संतुलन बनाए रखना सीखता है। सहज योग में यह भी माना जाता है कि सकारात्मक चैतन्य का प्रभाव हमारे परिवार, समाज, प्रकृति तथा आसपास के वातावरण तक फैल सकता है।

सुविधाएँ बढ़ीं, बजट बढ़ा, फिर भी व्यवस्था वहीं क्यों?

शिकायतों की सूची लंबी है–अस्पताल में दवा नहीं, स्कूल में शिक्षक नहीं, सड़क पर रोशनी नहीं, कार्यालय में कर्मचारी नहीं। लेकिन सवाल हो कि जो है, वह काम कर रहा है या नहीं, तो आवाज़ धीमी पड़ जाती है। डॉक्टर हैं, मरीज के सामने नहीं; शिक्षक हैं, कक्षा में नहीं; कर्मचारी हैं, सीट पर नहीं; अधिकारी हैं, दायित्व पर नहीं। अस्पताल में मशीन है, जाँच नहीं; स्कूल में प्रयोगशाला है, प्रयोग नहीं; मैदान है, खेल नहीं; टंकी है, नल में पानी नहीं। समस्या सिर्फ सुविधाओं की कमी नहीं, मौजूद साधनों और पदों का अपने उद्देश्य से गायब होना है। संसाधन हैं, कुर्सियाँ भरी हैं, परिणाम नहीं। सवाल है–इस दिखाई देती अनुपस्थिति को कब तक अनदेखा करेंगे?

हमने सुविधाओं को सेवा का माध्यम नहीं, निजी लाभ का साधन बना लिया है। सरकारी अस्पताल का डॉक्टर सरकारी समय में निजी मरीजों में व्यस्त है, जबकि ओ.पी.डी. में गरीब अपनी बारी का इंतजार करता है। शिक्षक कक्षा के लिए नियुक्त है, मगर उसकी ऊर्जा निजी कोचिंग में खपती है। सरकारी वाहन जनता के लिए है, मगर निजी आवागमन में चलता है; सरकारी कंप्यूटर काम के लिए है, मगर निजी कारोबार में इस्तेमाल होता है। सरकारी फोन, समय, कमरा और संसाधन–नाम सरकारी, इस्तेमाल निजी। यहीं से सुविधा का चरित्र बदल जाता है। जो साधन जनता की सेवा के लिए था, वही किसी की निजी सुविधा और कमाई का जरिया बन जाता है।

विडंबना यह है कि हर समस्या का हल हम नई सुविधा में खोजते हैं–अस्पताल में भीड़ हो तो नया भवन, परिणाम कमजोर हों तो नई इमारत, मशीन खराब हो तो नई मशीन, कर्मचारी कम हों तो नई नियुक्ति। मगर पुरानी सुविधा का हिसाब कौन देगा? लाखों की मशीन खरीदी जाती है, तकनीशियन न मिले तो धूल खाती है; दवाइयाँ गोदाम भरती हैं, वितरण की लापरवाही से जरूरतमंद तक नहीं पहुँचतीं और एक्सपायरी उन्हें निगल जाती है। स्कूल में स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर और स्क्रीन आ जाते हैं, पर पढ़ाने का ढर्रा वही रहता है। प्रशिक्षण होते हैं, प्रमाणपत्र बंटते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं–कक्षा में फिर भी रट्टा चलता है। संसाधन बढ़ते हैं, बजट बढ़ता है, खर्च बढ़ता है; बस उपयोगिता वहीं की वहीं रहती है।

सुविधाएँ शायद इसी लिए चुपचाप सवाल करती हैं। अस्पताल का बिस्तर पूछता है–मैं मरीज के लिए था या सिर्फ औपचारिकता के लिए? किताब पूछती है–बच्चे तक पहुँची क्यों नहीं? स्ट्रीट लाइट पूछती है–मेरी रोशनी किस काम की, जब महीनों खराब पड़ी रहूँ? सार्वजनिक शौचालय बनता है, सफाई के अभाव में बेकार हो जाता है; बस स्टैंड खड़ा है, मगर यात्री सुविधा से वंचित हैं; पार्क बनता है, देखरेख न हो तो कूड़े और टूटे सामान में बदल जाता है। इमारतें खड़ी हैं, मशीनें खड़ी हैं, योजनाएँ कागज पर चल रही हैं–बस सेवा गायब है। सुविधा का शरीर बचा है, उद्देश्य मर चुका है।

सबसे बड़ी विडंबना तब सामने आती है, जब हम दूसरों से ईमानदारी चाहते हैं और अपनी बारी पर सिस्टम ऐसा ही है कहकर बच निकलते हैं। डॉक्टर व्यवस्था को, शिक्षक विभाग को, कर्मचारी अधिकारी को, अधिकारी बजट को और नागरिक पूरे सिस्टम को दोष देता है। मगर सिस्टम है किससे? हमसे ही। समय पर न पहुँचने वाला कर्मचारी, बिना पढ़े फाइल बढ़ाने वाला अधिकारी, कक्षा को औपचारिकता मानने वाला शिक्षक, मरीज से ज्यादा निजी काम को तरजीह देने वाला डॉक्टर–ये सभी सिस्टम हैं। हम व्यवस्था बदलना चाहते हैं, पर शुरुआत खुद से नहीं। सिस्टम को कोसना आसान है, अपने भीतर के स्वार्थ को देखना कठिन। यही हमारी असली सामूहिक विडंबना है।

असली सवाल सुविधा के होने का नहीं, उसके सही इस्तेमाल का है। सही उपयोग हो तो मरीज को इलाज, छात्र को समझ, किसान को समय पर जानकारी, नागरिक को समय पर प्रमाणपत्र और सड़क को रात में रोशनी मिलती है। दुरुपयोग हो तो डॉक्टर की कुर्सी भरी रहती है, सेवा खाली; शिक्षक का वेतन आता है, मेहनत नहीं; कार्यालय खुला रहता है, समाधान बंद। कहीं नौकरी जिम्मेदारी नहीं, स्थायी सुविधा बन जाती है–हाजिरी पूरी, समय पूरा, काम अपनी मर्जी का। कहीं सरकारी संसाधन निजी काम में, कहीं सार्वजनिक समय निजी लाभ में। यह सिर्फ व्यवस्था की कमजोरी नहीं, हमारी सामूहिक बेईमानी है–जिसे हम सुविधाजनक ढंग से सिस्टम की समस्या कहकर अपनी जिम्मेदारी से बच जाते हैं।

अब विकास का सवाल भी बदलना होगा। हर बार नई सुविधा कब मिलेगी? से पहले पूछा जाए–जो मिला, उसका परिणाम क्या आया? नया अस्पताल बनाने से पहले पुराने की दवा व्यवस्था देखी जाए; नई मशीन लाने से पहले पूछा जाए कि पुरानी बंद क्यों है; नया स्कूल खोलने से पहले देखा जाए कि मौजूदा स्कूल बच्चों को क्या दे रहा है; नई सड़क से पहले पुरानी सड़क की मरम्मत का हिसाब हो। हर योजना के साथ देखभाल, जिम्मेदारी और परिणाम भी तय हों। सुविधा खरीदना आसान है, उसे उपयोगी बनाए रखना कठिन। बजट से भवन, मशीन और फर्नीचर खरीदे जा सकते हैं; ईमानदार उपयोग, जिम्मेदारी और संवेदना किसी निविदा में नहीं मिलती।

व्यवस्था केवल नई सुविधाओं से नहीं, सही नीयत से बदलती है। डॉक्टर के लिए मरीज, शिक्षक के लिए कक्षा, कर्मचारी के लिए सरकारी समय, अधिकारी के लिए फाइल के पीछे खड़ा व्यक्ति और नागरिक के लिए सार्वजनिक संसाधन–जब सुविधा नहीं, जिम्मेदारी बन जाएँ, तो आधी समस्याएँ बिना नए खर्च के खत्म हो सकती हैं। नई सुविधाएँ जरूरी हैं, पर पुरानी नीयत के साथ नहीं। असली सुविधा बजट नहीं, उसका ईमानदार उपयोग है। जिस दिन मुझे क्या मिला? से पहले जो मिला, उससे किसका भला हुआ? पूछा जाएगा, उसी दिन व्यवस्था का हर साधन अपना असली अर्थ पाएगा। तब सुविधाएँ सिर्फ उपलब्ध नहीं होंगी–सार्थक होंगी।

-प्रो. आरके जैन

एआई बूम पर ब्रेक, क्या बुलबुला फूटने की ओर है या सिर्फ मुनाफावसूली?

पिछले कुछ दिनों में नैसडैक और कोरिया के कोस्पी में भारी बिकवाली दिखी है। दोनों सूचकांकों में तकनीकी क्षेत्र से जुड़े शेयरों का भारी दबदबा है। इस बिकवाली से लगता है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े शेयरों के प्रति उत्साह कम हो रहा है या कम से कम पहले की तरह नहीं रह गया है। उदाहरण के लिए नैसडैक अपने हाल के उच्चतम स्तर से लगभग 9 प्रतिशत नीचे लुढ़क गया है।

पिछले दो वर्षों में एआई से जुड़े शेयरों में भारी तेजी दिखी है और हर तरफ इनका बोलबाला भी रहा है। मगर अब ऐसा लगता है कि निवेशक थोड़ा मुनाफा कमा रहे हैं और भविष्य की संभावनाओं का अधिक गंभीरता से आकलन कर रहे हैं। हालांकि ज्यादातर सेमीकंडक्टर शेयर पिछले 12 महीनों में अब भी 100 प्रतिशत से अधिक चढ़े हुए हैं। भारी मुनाफे के बाद सावधानी बरतना और मुनाफा वसूलना समझदारी भरा तथा सधा तरीका है। मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तकनीकी शेयरों में भारी गिरावट आई है।

उदाहरण के लिए स्पेसएक्स में भारी बिकवाली हुई है और महीने भर में ही यह अपने उच्चतम मूल्य से 50 फीसदी फिसल गया है। एएमडी, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी), एसके हाइनिक्स और सैमसंग जैसी सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयर भी 15 से 45 प्रतिशत तक गिर चुके हैं। एनवीडिया के शेयर में भी भारी बिकवाली हुई है जिससे इसकी कीमत 17 प्रतिशत लुढ़क गई है। कंपनी कुछ समय के लिए दुनिया की सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई थी। अब उसे पछाड़कर ऐपल सबसे मूल्यवान कंपनी की गद्दी पर बैठ गई है।

एआई में बहुत बड़ा बदलाव लाने की क्षमता है। लोगों को लगता है कि भविष्य में इससे न केवल भारी मुनाफा मिलेगा बल्कि समाज एवं लोगों का काम करने का तरीका भी इससे बदल जाएगा। एआई का असर इतना गहरा माना जा रहा है कि इसकी तुलना आग के इस्तेमाल या लेखन के आविष्कार से की गई है। इस क्षेत्र में खरबों डॉलर झोंके जा चुके हैं मगर कुछ निवेशक अब बुनियादी मूल्यांकन के लिए इसके वित्तीय ढांचे की समीक्षा करने में जुट गए हैं।

पारंपरिक पैमानों पर एआई शेयरों की कीमत बहुत ज्यादा हो सकती है। संभव है कि एआई से आगे चलकर भारी मुनाफा भी हो मगर अभी स्पेसएक्स, ओपनएआई और ऐंथ्रॉपिक जैसी एआई कंपनियां बहुत अधिक रकम खर्च कर रही हैं। एआई का बुनियादी ढांचा बनाने वाली एनवीडिया, हाइनिक्स, एएमडी जैसी कंपनियों और एआई से डेटा सेंटर चलाने वाली बड़ी कंपनियों के शेयर मुनाफा दे रहे हैं। मगर आखिरकार वे ऐसे क्षेत्र में विस्तार की मांग पर टिकी हैं जो घाटे में चल रहा है और ठोस लाभ दिए बगैर पूंजी निगल रहा है।निवेशक हर तिमाही में घाटा बढ़ता देख रहे हैं और मुनाफा कमाने में समय भी अब अधिक लग रहा है। ऐसे में उनकी अपेक्षाएं घटने लगी हैं।

-सुनील कुमार महला

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं।

आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मर्यादाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

-ललित गर्ग

केवल परीक्षा सुधार नहीं, युवाओं के लिए ज्यादा रोजगार और कौशल विकास भी जरूरी

नई दिल्ली में जंतर मंतर पर पिछले हफ्ते हुई घटनाओं पर सरकार की नीतिगत प्रतिक्रिया क्या वांछित परिणाम दे पाने में सफल होगी? क्या इससे भविष्य में युवाओं के ऐसे ही विरोध प्रदर्शनों को टाला जा सकेगा? विरोध प्रदर्शन पर सरकार की तात्कालिक प्रतिक्रिया गलत थी। उसने आंदोलन करने वालों समेत प्रभावित पक्षों से किसी भी तरह की बातचीत करने के बजाय युवा प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के जरिये बल प्रयोग करने का रास्ता चुना।

सरकार ने प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें तब स्वीकार कीं, जब आंदोलन जगह-जगह फैलने लगा। इन मांगों में शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी शामिल था। उसके बाद ही सरकार ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा संचालित परीक्षा प्रणाली में सुधारों की और परीक्षा के पेपर लीक करने वाले दोषियों के विरुद्ध कड़े कानूनी प्रावधान लाने की घोषणा भी की।

संभव है कि जब सरकार देश के युवाओं के असंतोष का आकलन करेगी तो हमें शिक्षा व्यवस्था में और अधिक सुधार देखने को मिलेंगे। युवाओं के लिए वेतन वाले रोजगार की मांग को पूरा करने के लिए भी और कदम उठाए जा सकते हैं। याद रहे कि चुनावी झटकों ने ही सरकार को रोजगार के लिए कुछ योजनाएं लाने पर विवश किया था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 2024 के लोक सभा चुनावों में इतनी सीटें नहीं मिलीं कि वह अपने दम पर सरकार बना सके। इसलिए लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने के लिए उसे गठबंधन साझेदारों पर आश्रित रहना पड़ा था।

इसलिए जुलाई 2024 में पेश हुए सरकार के पहले बजट में जब 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और अन्य अवसर आसानी से उपलब्ध कराने हेतु लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की योजनाओं का महत्त्वाकांक्षी पैकेज घोषित किया गया तो किसी को हैरत नहीं हुई। इसमें एक इंटर्नशिप योजना भी शामिल थी, जिसके तहत शीर्ष 500 कंपनियां स्वेच्छा से पांच वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को एक साल की इंटर्नशिप दे सकती थीं।

योजना प्रारंभ में दो वर्ष तक चलनी थी, जिसमें सरकार द्वारा प्रति माह लगभग 5,000 रुपये इंटर्नशिप भत्ता और 6,000 रुपये की एकबारगी सहायता दी जानी थी। प्रशिक्षण का खर्च कंपनियों द्वारा वहन किए जाने की अपेक्षा की गई थी, जिसमे से 10 प्रतिशत खर्च उनकी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व निधि से पूरा किया जा सकता था। एक वर्ष बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन योजनाओं को मंजूरी दे दी।

जमीनी स्तर पर इन योजनाओं के प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है किंतु वरिष्ठ पत्रकार इंदुलेखा अरविंद ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन किया, जिसके उत्तर में उन्होंने पाया कि इंटर्नशिप योजना का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। 30 अप्रैल तक कंपनियों ने इंटर्नशिप के केवल 2.97 लाख अवसर निकाले थे, जो दो साल के लक्ष्य के मात्र 10 प्रतिशत थे। इनमें भी इंटर्नशिप के वास्तविक ऑफर केवल 1.73 लाख रहे।

जिन लोगों को ऑफर मिले उनमें भी केवल 18,000 काम पर पहुंचे और केवल 5,200 ने अपनी इंटर्नशिप पूरी की। शुरू में पांच वर्षों के लिए जा राशि आवंटित की गई थी, उसका 1 प्रतिशत से भी कम हिस्सा मार्च 2026 तक खर्च हो पाया। जो खर्च हुआ उसमें भी लगभग आधा योजना के प्रचार और प्रसार पर गया।

माना जा सकता है कि रोजगार की ये योजनाएं 2024 में इसलिए घोषित की गईं क्योंकि सरकार को चिंता थी कि पर्याप्त नौकरियों और रोजगार अवसरों की कमी पर जन असंतोष बढ़ने दिया गया तो उसे चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। लेकिन बाद के वर्षों में भाजपा ने चुनाव जीतने शुरू कर दिए और तब उसके नेताओं के लिए यह चिंता उतनी गंभीर नहीं रह गई।

अक्टूबर और नवंबर 2024 में विधानसभा चुनावों के परिणामों ने निश्चित रूप से उस नुकसान की भरपाई करने में मदद की जो उसी वर्ष मई में हुए आम चुनावों में पार्टी को हुआ था। भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने महाराष्ट्र और हरियाणा में सत्ताविरोधी लहर को पार कर लिया और दोनों राज्यों में उसकी सरकारें बनी रहीं।

2025 में बिहार विधानसभा चुनावों में अपने प्रदर्शन के बल पर भाजका एक बार फिर मजबूत राजनीतिक आधार पर खड़ी होती दिखी। 2026 में उसने न केवल असम में दोबारा जीत हासिल की बल्कि पश्चिम बंगाल भी जीत लिया। इन चुनावी सफलताओं के बाद दिल्ली में भाजपानीत सरकार रोजगार पर उतनी चिंतित नहीं दिखी, जितनी वह 2024 के आम चुनावों के फौरन बाद थी। लेकिन लीक हुए पेपर पर जो विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ वह विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षाएं आयोजित करने की त्रुटिपूर्ण प्रणाली के खिलाफ ही नहीं था। यह विरोध रोजगार के घटते अवसरों और तकनीक तथा आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से पहले ही जूझ रहे बाजार में वेतनभोगी नौकरियों की कमी के बारे में भी था। इसलिए केवल युवाओं के भीतर का आक्रोश दूर करने के लिए केवल परीक्षा प्रणाली सुधारना पर्याप्त नहीं होगा।

इससे भी बड़ी चुनौती पर्याप्त संख्या में नौकरियां तैयार करने की है। ऐसी अर्थव्यवस्था में यह और भी बड़ी चुनौती है, जहां 29 प्रतिशत से अधिक आबादी 18 से 29 वर्ष आयु वर्ग में है। यह मानना गलत होगा कि जंतर मंतर पर हुए विरोध में केवल युवा छात्र थे। इन युवा छात्रों को 18 से 29 वर्ष की उम्र वाली बड़ी आबादी ने मदद और समर्थन दिया। मतदाताओं के तौर पर यह आबादी इतनी बड़ी है कि आने वाले कुछ वर्षों में चुनाव परिणामों पर असर डाल सकती है।

रोजगार सृजन करने जैसी पेचीदा और कठिन चुनौती को पहचानना तो आसान है मगर इस चुनौती का सामना करने के लिए अधिक दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होती है। सरकार ने 2024 में जो प्रयास किया था उस पर शायद नए नजरिये से गौर करना सही रहेगा। दो साल पहले घोषित इंटर्नशिप योजनाओं में विशेषज्ञों ने कई खामियां निकाल दी थीं।

अब इन खामियों को और देर किए बिना दूर कर देना चाहिए। उदाहरण के लिए इंटर्नशिप योजनाएं बनाते समय अलग-अलग शहरों और कस्बों की खास जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। किसी दक्षिणी राज्य में नौकरी तलाश रहे किसी युवा से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह उत्तर के किसी राज्य में जाकर किसी कंपनी में इंटर्नशिप करे। इसी तरह उत्तर भारत के किसी युवा से भी इंटर्नशिप के लिए दक्षिण भारत जाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती। इसी प्रकार कौशल विकास के अवसर उत्पन्न करने वाली ज्यादा योजनाओं की आवश्यकता को अधिक संकल्प के साथ स्वीकार करना चाहिए और चुनावी चिंता समाप्त होने के बाद उनकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

-धनंजय राजौरा

ब्लैक फिल्म लगे निजी वाहनों की अब खैर नहीं.. आदेश जारी

आज से 10 अगस्त तक चलेगा विशेष वाहन चेकिंग अभियान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अब निजी वाहनों पर लगी ब्लैक फिल्म सहित लग्जरी नंबर प्लेट और हूटर हटाए जाएंगे और ऐसे वाहनों पर कार्रवाई होगी। यह आदेश पुलिस मुख्यालय मप्र भोपाल द्वारा प्रत्येक जिला स्तर पर पुलिस कप्तानों को भेजे गए हैं। जिसमें स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि प्रदेशभर में निजी वाहनों पर अनाधिकृत रूप से लगाए जा रहे हूटर, सायरन, फ्लैश लाइट (लाल, पीली एवं नीली बत्ती), वीआईपी एवं शासकीय स्टीकर, नियम विरुद्ध नम्बर प्लेट तथा अवैध ब्लैक फिल्म (टिंटेड ग्लास) के विरुद्ध दिनांक 01 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया जाएगा।

इसी फरमान का पालन करते हुए जिला शाजापुर में भी यातायात पुलिस एवं जिले के समस्त थाना पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जिले के प्रमुख मार्गों, चैराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सघन वाहन जांच की जाएगी तथा मोटर वाहन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के अंतर्गत नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इन बिंदुओं पर चलेगा जांच अभियान

- निजी वाहनों में लगाए गए अनाधिकृत हूटर, सायरन, प्रेशर हॉर्न तथा लाल, पीली एवं नीली फ्लैश लाइट (बत्ती)। निजी वाहनों पर लगाए गए वीआईपी, जज, ऑन ड्यूटी, पुलिस, प्रेस, एडवोकेट अथवा अन्य किसी प्रकार के अनाधिकृत स्टीकर, मोनोग्राम, प्रतीक चिन्ह एवं पदनाम।
- नियमों के विपरीत लगी फैंसी, परिवर्तित, अस्पष्ट, ढकी हुई अथवा मानक विनिर्देशों के अनुरूप नहीं होने वाली नम्बर प्लेट।
- चार पहिया वाहनों के शीशों पर लगाई गई अवैध ब्लैक फिल्म
- मोटर वाहन अधिनियम एवं यातायात नियमों के अन्य उल्लंघन।

एसपी ने की अपील, तत्काल हटा लें

पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने जिले के समस्त वाहन स्वामियों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों का स्वयं निरीक्षण कर लें तथा यदि वाहन में किसी प्रकार का अनाधिकृत हूटर, सायरन, फ्लैश लाइट, वीआईपी अथवा शासकीय स्टीकर, नियम विरुद्ध नम्बर प्लेट या अवैध ब्लैक फिल्म लगी हो तो उसे तत्काल हटवा लें। ऐसा कर वे अनावश्यक चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई से बच सकते हैं। उन्होंने सभी वाहन चालकों से वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीयन प्रमाण-पत्र (आर.सी.), बीमा एवं प्रदूषण प्रमाण-पत्र (च्ब्) जैसे आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने की भी अपील की। इनका कहना है

यातायात नियमों का पालन करें। स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें। अनुशासन से अपने वाहन चलाएं।

- प्रियंका शुक्ला, एसपी-शाजापुर

अच्छी बारिश व गौमाता को राष्ट्रमाता बनाने के संकल्प के साथ कावड़ लेकर रवाना हुए गौरक्षक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 17 वर्षों से गौ माता की सेवा कर रहे गौरक्षकों की कावड़ यात्रा शुक्रवार को नगर से उज्जैन के लिए रवाना हुई। ये गौरक्षक 3 अगस्त को बाबा मंगलनाथ का अभिषेक कर अच्छी बारिश की कामना करेंगे। साथ ही गौ माता को राष्ट माता का दर्जा दिलाने की कामना भी करेंगे।

गौरक्षा सेना द्वारा आयोजित गोभक्त कांवड़ यात्रा के अंतर्गत 31 जुलाई को शाम 4 बजे गौ उपचार केंद्र कांजी हाउस, शाजापुर से गौरक्षा सेना के 15 सदस्य उज्जैन के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पूर्व गौरक्षा सेना के संस्थापक धर्मेन्द्र शर्मा, संरक्षक वीरेन्द्र सिंह टेवा अध्यक्ष अशोक खींची द्वारा गौमाता की विधिवत पूजा-अर्चना कर गोभक्तों को शुभकामनाओं सहित विदा किया गया। ये गौरक्षक शनिवार सुबह उज्जैन में मां शिप्रा का पवित्र जल भरकर गोभक्त पैदल कांवड़ यात्रा प्रारंभ करेंगे। यह यात्रा उज्जैन से शाजापुर तक निकाली जाएगी तथा 3 अगस्त को शाजापुर के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक श्मशान के सामने विराजित बाबा मंगलनाथ मंदिर में मां शिप्रा के पावन जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य गौमाता को राष्ट माता का सम्मान दिलाने हेतु जनजागरण करना है। गौरक्षा सेना विगत 17 वर्षों से निरंतर गौसेवा, गौरक्षा तथा घायल एवं बीमार गौवंश के उपचार का कार्य कर रही है। गौरक्षक धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि बारिश के मौसम को देखते हुए केवल 15 सदस्य ही कांवड़ लेकर यात्रा में शामिल हुए हैं। शेष कार्यकर्ता शाजापुर में रहकर बीमार, घायल एवं दुर्घटनाग्रस्त गौमाता एवं नंदी महाराज की सेवा, उपचार एवं बचाव कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे, ताकि गौसेवा का कार्य निरंतर चलता रहे।

वरिष्ठ शिक्षक लाखनसिंह ठाकुर की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम बालोदा के शा.मा.वि. बालोदा में वर्षों से शा. प्रा.वि.लसुड़िया नजदीक में अपनी सेवाएं दे रहें, शाला मर्ज होने पर शा. प्रा. वि. बालोदा से वरिष्ठ शिक्षक लाखनसिंह ठाकुर के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती अंजली कर्डेकर ने की। मुख्यअतिथि नाविमं क्रमांक 1 से संकूल सहसमन्वयक साक्षरता जितेन्द्रसिंह ठाकुर रहें। विशेष अतिथि प्रिती सक्सेना,श्रीमती नेहा देशपाण्डे, शिक्षक मनोज चौधरी,मोहम्मद हुसैन रहें। विद्यालय के समस्त शिक्षक,कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहें।लाखनसिंह ठाकुर 39 वर्षों से लसुड़िया नज़दीक एवं बाद में बालोदा में शिक्षण कार्यकाल पूर्ण किया। उन्होंने विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण एवं सर्वांगीण विकास के लिए अहम भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शॉल, श्रीफल, स्मृतिचिन्ह और देवास माताजी के चित्र और माताजी की चुनरी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने श्री ठाकुर के उज्जवल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय परिसर में रोपे पौधे

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अधिक से अधिक पौधों को लगाकर और उनका पालन पोषण करके ही हम अपने पर्यावरण का संरक्षण कर सकते है। पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ इसके प्रति जागरूकता का कार्य हमारे विद्यालय और हमारे विद्यार्थी बहुत ही अच्छे कर सकते है।

यह बात जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर ने हाईस्कूल टुकराना में विद्यार्थियों से पौधारोपण और वितरण कार्यक्रम में कही। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी सस्था प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपने विद्यालय के परिसर में विद्यार्थियों के माध्यम से अधिक से अधिक पौधे लगाएं। साथ ही पेड़ बनने तक उनका संरक्षण करें। स्कूल प्राचार्य राधावल्लभ कारपेंटर ने बताया कि सुफलाम सेवा न्यास इंदौर के शाजापुर में जिला संयोजक मनोहर राय के द्वारा 200 पौधे अमरूद के स्कूल को प्राप्त हुए थे जिसमें से 50 पौधे विद्यालय परिसर में लगाए गए थे और 150 पौधे विद्यार्थियों को उनके खेत में लगाने के दिए थे। सभी पौधे जीवित है। माह जुलाई में 220 पौधे आम, जामुन, अमरूद, सीताफल और नीम के सुफलाम सेवा न्यास से प्राप्त हुए है जिसमें से 100 विद्यालय परिसर में लगा दिए है 120 पौधे विद्यार्थियों को वितरित किए है। इस अवसर पर प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन शाजापुर के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. बालेंद्र श्रीवास्तव, पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रवीण मंडलोई, रामचंद्र चैहान, मोहनलाल सौराष्टीय और हाईस्कूल टुकराना के स्टॉफ के सदस्यों ने स्कूल परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति अपना दायित्व निभाया।

गैस गोडाउन में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस का मुखबिर तंत्र व साइबर सेल की मदद आई काम, 1 लाख का माल बरामद

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जून माह में गैस गोडाउन में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 लाख रू. का चोरी गया माल बरामद किया है। तीनों आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है।

जानकारी के अनुसार 11 जून को पुराना चैमा निवासी देवकरण पिता मांगीलाल मालवीय (38) ने मो.बड़ोदिया थाने में शिकायत की कि 10-11 जून की दरमियानी रात में कोई अज्ञात आरोपी मेरे देवशक्ति एचपी गैस ग्रामीण वितरण एजेन्सी के गोडाउन का ताला तोड़कर 5 एचपी कम्पनी के घरेलू भरे हुए सिलेंडर, गैस गोडाउन के सामने रखी एक पल्सर मोटर सायकल व गैस गोडाउन के सामने गुमटी पर सो रहे सिद्धनाथ मालवीय का स्मार्ट फोन चोरी कर ले गए है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान एसपी प्रियंका शुक्ला, एएसपी घनश्याम मालवीय एवं एसडीओपी अजयकुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अरविन्द सिंह तोमर द्वारा गठित पुलिस टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास के लोगों से पुछताछ की। साथ ही सीसीटीव्ही फुटेज व साइबर सेल से तकनिकी मदद प्राप्त की। वहीं संदेहियों से भी पूछताछ की गई। नतीजन 30 जुलाई को घटना में संलिप्त आरोपी शिवनारायण उर्फ शिवा पिता कैलाश मालवीय (24) निवासी शिव पहाड़ी कानड़, अम्बाराम पिता देवीसिंह मालवीय (20) निवासी बोरखेड़ी व अजय पिता गोर्वधन मालवीय (21) निवासी शिव पहाड़ी कानड़ को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से पुलिस ने 5 एचपी कम्पनी के घरेलू भरे हुए सिलेंडर, एक पल्सर मोटर सायकल व एक स्मार्ट फोन वीवो कम्पनी का पुराना मोबाईल सहित कुल 1 लाख रू. का मशरूका जप्त किया है। आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अरविन्दसिंह तोमर, सउनि लाखनसिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक मो.शरीफ, रविशंकर चैधरी, भंवरलाल वर्मा, आरक्षक शैलेन्द्र गुर्जर, शैलेन्द्र शर्मा, अनिल सेन, राहुल जाट, अर्जुनसिंह बागड़ी, सुरेश राठोर, जीवन राजपूत, नितेश सेन, शिवचरण दांगी व सायबर सेल प्रभारी प्रधान आरक्षक विकास तिवारी व उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विजयनगर की छोटी तलैया बनी रहवासियों की परेशानी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विजयनगर की सड़क छोटी तलैया का रूप धारण कर लेती है वास्तव में यह एकदम सही बात है और यह तलैया लोगों के लिएपरेशानी का कारण बनी हुई है।

हम बात कर रहे हैं शहर के अंदर से निकले एबी रोड से जुड़े विजयनगर की मुख्य सड़क की। जहां बारिश के दौरान दो फीट गहरे गड्ढे नुमा सड़क तलैया का रूप ले लेती। खासकर बारिश के दिनों में यह सड़क लोगों के लिए खासी मुसीबत बन जाया करती है। स्कूली बच्चों से भरे आटो, दुपहिया वाहन, कार जीप सहित पैदल चलने वालेलोगों को गड्ढे से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार दो पहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। इस तलैया रूपी गड्ढे से बचने के लिए लोगों को अन्य सड़क से अपने घर तक या अपने गंतव्य तक पहुंचाना पड़ता है। कई बार लोगों ने वार्ड पार्षद को भी अवगत करा दिया गया है। बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। तो नपाध्यक्ष और सीएमओ भी इस समस्या से परीचित हैं। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।

पुलिस विभाग के तीन कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस विभाग के तीन अधिकारियों की शुक्रवार को सेवानिवृत्ति हो गई। इस दिन एसपी ऑफिस में तीनों कर्मचारियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। जहां तीनों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। एसपी ने तीनो कर्मचारियों को शाल-श्रीफल भेंटकर उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

शुक्रवार को सहायक उपनिरीक्षक सतीश पंजाबी, सहायक उपनिरीक्षक रोशन सिंह तोमर एवं सहायक उपनिरीक्षक सोभाग सिंह के सेवानिवृत्त होने पर पुलिस विभाग द्वारा भावभीनी विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसपी प्रियंका शुक्ला द्वारा तीनों अधिकारियों को शाल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। सहायक उपनिरीक्षक सतीश पंजाबी ने पुलिस विभाग में लगभग 42 वर्षों, सहायक रोशन सिंह तोमर ने लगभग 37 वर्षों तथा सहायक उपनिरीक्षक सोभाग सिंह मेवाडा ने लगभग 32 वर्षों तक अपनी सेवाएं दी। अपने सेवा काल के दौरान तीनों अधिकारियों ने कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन कर विभाग में उत्कृष्ट योगदान दिया, जिसकी सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना की। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के कार्यो एवं सेवाओं को स्मरण करते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एसडझीओपी अजय मिश्रा, रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह, सूबेदार दीपिका डावर, हेड क्लर्क विष्णुप्रसाद व्यास, वेतन शाखा प्रभारी केपी चैहान एवं पुलिस कार्यालय का समस्त स्टाफ, अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम आत्मीय एव भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

जेल तिराहा पर पुलिस ने घेराबंदी की, फिर धराया नर्स से दुष्कर्म-ब्लैकमेल का मुख्य आरोपी

पीड़िता की बुर्के वाली तस्वीरें मिली, धर्मांतरण एंगल की भी होगी जांच

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जादू-टोने का डर दिखाकर एक नर्स से दुष्कर्म व उसे ब्लेकमेल करने वाले आरोपी को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा इस पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही यह जेल तिराहा पहुंचा पुलिस ने इसे धरदबोचा। इसके बाद पुलिस ने इसके बड़ावदा स्थित निवास पर दबिश देकर वहां से स्कूटी, नगदी व मोबाइल जब्त कर लिया है। मामले का एक अन्य आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

गौरतलब है 3 जुलाई को ट्रेन यात्रा के दौरान पीड़िता की मुलाकात आरोपी से हुई थी। साकिर ने खुद को तंत्र-मंत्र का जानकार बताकर महिला को उसके परिवार पर भारी अनिष्ट होने का डर दिखाया और झांसे में ले लिया। इसके अगले ही दिन आरोपी शाजापुर में पीड़िता के किराए के मकान पर पहुंचा और धार्मिक क्रिया-कर्म के बहाने उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी ने ब्लैकमेल करते हुए बार-बार दुष्कर्म किया और अपने साथी से भी पीड़िता का शोषण करवाया। यही नहीं आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो बना लिया था और उसे वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। उसने महिला से करीब 4.10 लाख रुपए नकद, सोने का मंगलसूत्र और उसकी स्कूटी भी हड़प ली। इतना ही नहीं उसने पीड़िता की दो महिला सहकर्मियों को भी झांसे में लेकर उनके साथ अश्लील हरकत की कोशिश की, हालांकि वे वहां से भाग निकली थी। इसके बाद महिला ने इसकी शिकायत लालघाटी पुलिस को की थी। जिस पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन में थाना प्रभारी अर्जुनसिंह मुजाल्दे के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया। जिसने आरोपी पर नजर रखी। जैसे ही वह जेल तिराहे पर पहुंचा पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। इसके बाद इससे पूछताछ की गई। जिसके बाद आरोपी के बड़ावदा स्थित घर से पीड़िता से ली गई राशि, नगदी बरामद कर लिए हैं।

धर्मांतरण के एंगल से भी जांच में जुटी पुलिस- लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि आरोपी के पास से पीड़िता की बुर्के वाली तस्वीरें भी मिली हैं, जिसके बाद मामले में धर्म परिवर्तन से जुड़े पहलुओं की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने मामले में धाराएं बढ़ा दी हैं और फरार दूसरे आरोपी की तलाश के साथ-साथ पूरे घटनाक्रम की गहराई से तफ्तीश कर रही है।

2 अगस्त को भोपाल में आउटसोर्स कर्मचारियों का महाआंदोलन, देवास से भी रवाना होंगे कर्मचारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश भारतीय मजदूर संघ द्वारा आगामी 2 अगस्त को भोपाल के अंबेडकर मैदान में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय महाआंदोलन की तैयारियां पूरे प्रदेश में तेज़ी से चल रही हैं। संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विभिन्न जिलों में बैठकों का आयोजन कर रहे हैं, कर्मचारियों से जनसंपर्क कर रहे हैं तथा पोस्टर, बैनर एवं प्रचार सामग्री के माध्यम से आंदोलन को सफल बनाने का अभियान चला रहे हैं। इन तैयारियों के फोटो एवं वीडियो भी लगातार मीडिया को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। संगठन द्वारा 2 अगस्त को अंबेडकर मैदान में विशाल आमसभा आयोजित की जाएगी। इसके उपरांत हजारों आउटसोर्स कर्मचारी अंबेडकर मैदान से वल्लभ भवन तक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम 21 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष धनंजय गायकवाड ने बताया कि मध्य प्रदेश में वर्षों से कार्यरत लाखो आउटसोर्स कर्मचारी बिजली विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग,अन्य क्षेत्र में व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें पर्याप्त वेतन, सेवा सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां उपलब्ध नहीं हैं। कर्मचारियों का वर्षों का अनुभव होने के बावजूद वे ठेकेदारी व्यवस्था के कारण असुरक्षा और शोषण का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की प्रमुख मांग है कि मध्य प्रदेश सरकार हरियाणा की तर्ज पर मध्य प्रदेश आउटसोर्स कर्मचारी निगम/ मंडल/आयोग का गठन करे, जिसके माध्यम से समस्त आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती, सेवा प्रबंधन एवं निगरानी की व्यवस्था हो तथा निजी ठेकेदारों की मनमानी पर प्रभावी रोक लगे। धनंजय गायकवाड ने कहा कि संगठन प्रदेश के सभी आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए 60 वर्ष तक सेवा सुरक्षा, समान कार्य के लिए समान वेतन, समय पर वेतन भुगतान, ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, बीमा, दुर्घटना सहायता, आश्रित को रोजगार तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ सुनिश्चित करने की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि आउटसोर्स कर्मचारी भी शासन की नियमित व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

खबर का असर...

अतिक्रमणकर्ताओं को दी समझाईश, किया समस्या का निराकरण

ग्राम पंचायत ने दूर कर दी ग्रामीणों की समस्या

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम निपानिया डेरा में अब ग्रामीणों को रास्ते की समस्या से नहीं जूझना पड़ेगा और वे आसानी से अंतिम यात्रा निकालकर शव का दाह संस्कार कर सकेंगे। क्योंकि ग्राम पंचायत ने श्मशान पहुंचने वाले मार्ग का अतिक्रमण हटा दिया और रास्ते में मुरम डलवाकर उसे समतल कर दिया गया है।

गौरतलब है जिले के ग्राम निपानिया डेरा में मंगलवार को 63 वर्षीय सुगन बाई का निधन हो गया था। लेकिन अंतिम यात्रा में शामिल ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। तब ग्रामीणों ने जेसीबी बुलवाकर उससे रास्ता बनाया तब कहीं जाकर शवयात्रा श्मशान पहुंची और शव का दाह संस्कार किया जा सका। यह समस्या एक दिन की नहीं बल्कि कई दिनों से ग्रामीण इस समस्या से जूझ रहे थे। इसकी जानकारी जिम्मेदारों को भी थी, लेकिन वे भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे थे। मामले को लेकर जब इस प्रतिनिधि ने खबर का प्रकाशन कर ग्रामीणों की समस्या बताई। तब खबर प्रकाशन के बाद जिम्मेदारों ने सुध ली। मामले में पंचायत सचिव दिनेश टेलर से चर्चा की गई थी तब उन्होंने बताया था कि ग्राम पंचायत द्वारा जल्द ही श्मशान मार्ग पर लगभग 5 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया जाएगा। इसके बाद ग्राम पंचायत द्वारा अगले दिन ग्राम पंचायत द्वारा राजस्व विभाग से पटवारी राधेश्याम मालवीय, ग्राम पंचायत सरपंच घासीराम भिलाला, सचिव दिनेशकुमार टेलर, सहायक सचिव सुनील मैनिया द्वारा अतिक्रमण कर्ताओं को समझाईश देकर अतिक्रमण हटवाया। इसके बाद ग्राम पंचायत द्वारा दोनों तरफ नाली खुदाई कर रास्ते में मुरम डाल का रास्ता बना दिया गया। जिसके चलते अब ग्रामीणों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के इस कार्य में कंजर डेरा फर्स्ट के निवासियों ने भी सहयोग दिया और समस्या का समाधान हो सका।

'नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान' अंतर्गत 2 अगस्त को प्रधानमंत्री युवाओं को करेंगे वर्चुअल संबोधित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 2 अगस्त 2026 को 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान' अंतर्गत देशभर के युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। यह अभियान युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माई भारत की एक राष्ट्व्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध जागरूक करना तथा स्वस्थ, जिम्मेदार एवं नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना है। जिला युवा अधिकारी माय भारत देवास सुश्री तारा परगी ने बताया कार्यक्रम वर्तमान में संचालित 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान का हिस्सा है, जिसे युवाओं की भागीदारी के माध्यम से जनजागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, खेल, संस्कृति तथा सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों के जरिए नशे की लत के विरुद्ध जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प तथा 'विकसित भारत @2047' के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है।

शंकरगढ़ पहाड़ी पर एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत 10 हजार पौधों का रोपण हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अभियान में अपना सक्रिय योगदान देकर देवास को हरित क्रांति की ओर ले जाएं ङ्क कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह

अमृत हरित महाअभियान-2026 अंतर्गत देवास शहर को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शुक्रवार को शंकरगढ़ पहाड़ी देवास पर वृहद स्तर पर सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर 10 हजार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगणों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संस्थाओं, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, पत्रकारगणों, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिकगणों ने सहभागिता कर पौधारोपण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए देवास विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण की रक्षा के लिए देशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया है। इसी प्रेरणा से पूरे देश में एक पौधा मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी पर्यावरण प्रेमी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ÷इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ, सुंदर जलवायु और एक स्वस्थ पर्यावरण सौंपना है। पौधारोपण अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शंकरगढ़ पहाड़ी को पूरी तरह हरा-भरा रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आगामी दिनों में इस पहाड़ी को सुरक्षा और पर्यावरण की दृष्टि से और अधिक विकसित व सुसज्जित किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.)

//नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना//

क्रमांकः सम्पत्तिकर/2026/209 उज्जैन, दिनांक : 29/7/2026

सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अंतर्गत सम्पत्तिकर झोन कार्यालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

झोन क्र.	वार्ड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिसका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
03	24	469	83/A, नजर अली मार्ग गली क्र. 05	फर्म मोदिवाला एंड संस हकीमुद्दीन पिता इनयात हुसैन/ डॉ. सैफी मोदिवाला	सपना अग्रवाल पति रवि अग्रवाल	विक्रय पत्र
03	23	470	76/1,तृतीय तल, श्रीपाल मार्ग	चन्द्रकान्ता सूर्या पति जीतेन्द्र सूर्या	राहुल लालवानी सुखराम दास लालवानी	विक्रय पत्र
03	26	471	136, महारानी लक्ष्मीबाई मार्ग	जमना लाल पिता चुन्नीलाल	1.तेजनारायण परमार 2.रामगोपाल परमार 3.शिवनारायण परमार पुत्रगण जमनालाल परमार	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	26	472	74, का उत्तर दिशा वाला भाग	1.सय्यद सिराजुद्दीन 2.राज़ी उद्दीन 3.फ़िरोज़ उद्दीन पुत्रगण मजीद उद्दीन 4.राशेदा पति असिफ रेहमान 5.साजिद बी पति शब्बीर हुसैन	फ़िरोज़ उद्दीन पिता मजीद उद्दीन	हकत्याग पत्र
03	32	473	1/S, महाकाल मार्ग	अनवर अल्ला खां पिता जरुल्ला खां	शेहजाद खान पिता अनवर	मृत्यु प्रमाण पत्र
03	24	474	5/1, आर्य समाज मार्ग	मदनलाल पिता शोभालाल माहेश्वरी	राघव महेश्वरी पिता श्री ओमप्रकाश महेश्वरी	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	33	475	3270/2, चिंतामण मार्ग गली क्र. 01	धर्मेन्द्र निर्भाण पिता योगेन्द्र निर्भाण	पूजा पति राजेश व्यास	विक्रय पत्र
03	24	476	100/7 , आर्य समाज मार्ग	1.श्री दुष्यंत आर्य 2.श्री कुलदीप आर्य 3.श्री रवि आर्य	रजनी भाटी पति राजेश भाटी	विक्रय पत्र
03	28	477	42, तिलक मार्ग गली क्र. 01	कृष्णा देवी पति बाबुलाल रघुवंशी	राजेन्द्र रघुवंशी पिता बाबुलाल रघुवंशी	दानपत्र
03	27	478	33, दादा भाई नौरोजी मार्ग	अब्दुल सत्तार पिता रसुल खान	1.जाहिदा बी पति मरहुम अब्दुल सत्तार 2.आशिक अहमद 3.इरशाद अहमद पुत्रगण मरहुम अब्दुल सत्तार	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	32	479	31/1, महाकाल मार्ग पथ क्र.01	अब्दुल गफ्फार पिता अब्दुल रज्जाक	1.बीबी पति मरहुम अ.गफ्फार 2.अ.बारी 3.अ.बाकीर 4.अ.जब्बार 5.अ.अय्युब मंसूरी 6.सुल्ताना बी पति सिराजउद्दीन 7. रुक्साना पति मो.रफ़ीक पुत्रगण/पुत्रीगण मरहुम अब्दुल गफ्फार	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	26	480	10/1, दादा भाई नौरोजी मार्ग गली क्र.01	1.तोफिक खान 2.हनीफ खान पुत्रगण रफीक खान	रेहाना बी पिता मोहम्मद इदरीस	विक्रय पत्र
03	24	481	5/6/1, आर्य समाज मार्ग	मदनलाल पिता शोभालालजी महेश्वरी	राघव महेश्वरी पिता ओमप्रकाश महेश्वरी	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	26	482	47, आर्य समाज मार्ग भाट गली क्र.01 पथ क्र.01	1-राम गुप्ता पिता स्व. श्री ओमप्रकाश गुप्ता 2- श्रीमती अनीता गुप्ता पति श्री राजेश गुप्ता, पिता स्व. श्री ओमप्रकाश 3- श्रीमती मधु गुप्ता पति श्री सोम प्रकाश गुप्ता, पिता स्व. श्री ओमप्रकाश	उपेन्द्र गुप्ता पिता ओमप्राश गुप्ता	हकत्याग पत्र
03	24	483	95/5, नजर अली मार्ग	श्री संजीव अमीन पिता स्व.	प्रवीणा अमीन पति संजीव अमीन	वसीयत नामा/शपथपत्र/
				भानु भाई अमीन		मृत्यु प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	23	484	14, श्रीपाल मार्ग गली क्र.02	विष्णुलाल वल्द पिता शिवशंकर पंड्या	1.प्रवीण पंड्या 2.प्रदीप पंड्या 3.प्रशांत पंड्या 4.लोकेश पुत्रगण श्री रघुनंदन	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	33	485	सर्वे. क्र.3270/2/4/3/2, A-18 व 19 चिंतामन मार्ग	संजय सक्सेना पिता गिरीश बाबु सक्सेना	कला बाई पुत्री नाथूलाल जी	विक्रय पत्र
03	31	486	9/1, महाकाल मार्ग गली क्र. 07	1.लियाकत खान 2.रुखसाना बेगम पुत्रगण/पुत्रीगण वाहिद खान	ज्योति यादव पति संजय यादव	विक्रय पत्र
03	32	487	3/2, महाकाल मार्ग	1.एजाजन अली 2.असगर अली 4.आजम अली पिता स्व. माशूक अली	परवीन जहाँ पति मो. रफीक	विक्रय पत्र
03	33	488	38/6, जयसिंहपुरा मार्ग	1.राजेश पिता दौलत सिंह 2.तेजकरण कलखोर पिता नन्दलाल	संगीता राठौर पति अशोक राठौर	विक्रय पत्र
03	26	489	155/1, तिलक मार्ग	मनोज कुमार डोडिया पिता खेराजमल डोडिया	अशोक जैन पिता भंवरलाल	विक्रय पत्र
03	29	490	140, बेगमपुरा मार्ग	श्यामा व्यास पति मनोहरलाल जी व्यास	अंजली व्यास पति योगेश व्यास	वसीयत नामा/शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	29	491	23/6/1, अहिल्या बाई मार्ग	अकबर खान पिता अब्दुल गफ्फार खान	गुल अफशा पति अतीक रेहमान	विक्रय पत्र
03	32	492	73, महाकाल मार्ग गली क्र. 01	1.मनसूर हुसैन 2.मुन्नवर हुसैन पुत्रगण भुरु भाई हुसैन	मनसुर हुसैन पिता भुरु भाई हुसैन	हकत्याग पत्र
03	23	493	12, श्रीपाल मार्ग गली क्र.02	रघुनंदन वल्द पिता विष्णुलाल पंड्या	1.प्रवीण पंड्या 2.प्रदीप पंड्या 3.प्रशांत पंड्या 4.लोकेश पुत्रगण श्री रघुनंदन	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	28	494	11/1, अम्बा प्रसाद तिवारी मार्ग पथ क्र. 01	1.श्री मति सबराबी पति अब्दुल रहीम 2.मो. हनीफ पिता अब्दुल रहीम	मोहम्मद हनीफ पिता अब्दुल रहीम	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	33	495	सर्वे क्र.3270/2/4/3/2 का भाग A-7, जयसिंह पुरा मार्ग	संजय सक्सेना पिता गिरीश बाबू सक्सेना	पोपसिंह आंजना पिता बद्रीलाल	विक्रय पत्र
03	33	496	सर्वे क्र.3270/2/4/3/2 का भाग M-13 जयसिंह पुरा मार्ग	संजय सक्सेना पिता गिरीश बाबू सक्सेना	कमल किशोर शर्मा पिता प्रभुलाल शर्मा	विक्रय पत्र
03	23	497	3/2, श्रीपाल मार्ग गली क्र. 02	सदानंद पंड्या पिता नागेश्वर पंड्या	1.सुरेश चन्द्र पिता सदानंद पंड्या 2.अनिकेत पंड्या पिता स्व. राजेंद्र कुमार 3.ललिता बाई पति स्व. राजेंद्र कुमार	शपथपत्र / मृत्यु प्रमाण पत्र
03	24	498	93/8, तिलक मार्ग	अतुल भट्ट पिता मदन मोहन भट्ट	सिमा शर्मा पति मदनमोहन भट्ट	दानपत्र
03	33	499	सर्वे क्र.3270/2/4/3/2 का भाग A-53-54, जयसिंह पुरा मार्ग	भैरुलाल माली पिता बसंतीलाल	1.सदन पटेल पिता विक्रम पटेल 2.त्रिलोक पटेल पिता प्रकाश जी पटेल 3.निलेश पटेल पिता धन्नालाल पटेल	विक्रय पत्र
03	33	500	सर्वे क्र. 2506, का भाग जयसिंह पुरा	1.सुन्दरबाई पति दुलीचन्द 2.बाबूलाल आत्मज 3.कैलाश आत्मज 4.नैमीचंद पुत्रगण दुलीचन्द	मनोज मालवीय पिता मानसिंह मालवीय	विक्रय पत्र
03	24	501	69, आर्य समाज मार्ग	बालमुकुन्द पंवार पिता आत्माराम पंवार	1.लीला बाई पति स्व. उमाशंकर 2.विजेंद्र 3.दामोदर पुत्रगण/पुत्रीगण बालमुकुन्द	वसीयत नामा/शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	32	502	2 व 3 का उत्तर दिशा	सैय्यद अली पिता नासिर अली	1- मोहम्मद अली पिता सैय्यद अली	दानपत्र
			वाला भाग खुदीराम बोस मार्ग		2- जैद पिता मोहम्मद अली 3- फेज अली पिता मोहम्मद अली	
03	24	503	100, आर्य समाज मार्ग गली क्र. 06	1.श्री दुष्यंत आर्य 2.श्री कुलदीप आर्य 3.श्री रवि आर्य	टीना परमार पति अजय परमार	विक्रय पत्र
03	25	504	135, का भाग आर्य समाज मार्ग	बद्रीलाल जी पिता गणपत देवड़ा	1.रुक्मणी बाई पति स्व. शांतिलाल देवड़ा 2.अनीता राठौर पति गौरीशंकर 3.योगेश देवड़ा 4.आशीष देवड़ा पुत्रगण शांतिलाल जी	वसीयत नामा/शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
05	17	1705	भू.क्र– 40 सर्वे क 1839 व 1840 का भाग राधेनगर कालोनी मायापुरी कालोनी के पारा उज्जैन	सुनीता बाई पति पूनमचंद वर्मा पुत्री गंगादीन जी निवासी राधे नगर कालोनी उज्जैन	संजय पिता परसराम जी निवासी आगर मालवा	विक्रय पत्र
05	17	1746	भू.क्रं 16 ब्लाक ए राज रॉयल एन्क्लेव उज्जैन	पुश्पा सोलंकी पति गोपाल सोलंकी निवासी मालीपुरा उज्जैन	1 परवीन बी पति मोहसिन मंसूरी 2 मोहसिन पिता अनवर हुसैन मंसूरी निवासी मंदसौर	विक्रय पत्र
05	17	1747	भू.क्रं.– 127 क्रिस्टल पार्क कालोनी उज्जैन	मेसर्स फयुचर्स डैव्लपर्स द्वारा भागीदार 01 रौययद अराद अली पिता सैययद आबिद अली 02 रौययद आमीर अली पिता सैययद हामिद अली निवारी 3 राम प्रराद भार्गव मार्ग खजूरवाली मस्जिद के पारा उज्जैन	आंजना पिता मान सिंह निवारी महिदपुर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1748	भू.क्रं 64/22 उधोगपुरी मक्सी रोड उज्जैन	लेरी मे रीमेंट पाइप्रा एंड पोल्स अमित पिता कृश्ण कुमार जिंदल निवासी उधोगपुरी उज्जैन	1 अमित जिंदल पिता कृश्ण कुमार जिंदल 2 मधु पति कृश्ण कुमार जिंदल 3 विनित पिता कृश्ण कुमार निवासी धोगपुरी उज्जैन	लीज डीड
05	40	1749	भू.क्रं.– 04 सर्वे 150/1/3/2 का भाग पंवासा उज्जैन	विशाल पिता भांकरलाल जयरिंघानी, निवारी भारत्री नगर के पास उज्जैन	मनीशा पति रविन्द चौहान निवारी भाजापुर	विक्रय पत्र
05	18	1754	भू.क्रं 116 विनोद नगर के पास आगर रोड उज्जैन	जगमोहन पिता दीनदयाल चौधरी निवासी सुदामा नगर उज्जैन	1 मंगला पति स्व जगमोहन चौधरी 2 श्रीनाथ पिता स्व जगमोहन चौधरी निवासी सुदामा नगर उज्जैन	भापथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र
05	40	1769	भू.क्रं 86 तिरूपति कारा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता रव नारायणदास जी परियानी निवारी महा वेता नगर	1 आरती पिता जयराम दिवानिया 2 माखन पिता हरिसिंह दायमा निवारी देवारा	विक्रय पत्र
05	39	1770	भू.क्रं.– 1/3 प्लाट क 30 लक्ष्मी नगर तात्याटोपे मार्ग उज्जैन	लक्ष्मी देवी पति कल्याणदारा सिंधी, निवासी तात्याटोपे मार्ग उज्जैन	भयाम जयरिंघानी पिता रव कल्याण दास निवारी रिंधी कालोनी उज्जैन	भापथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र
05	40	1771	भू.क्रं एल 11 एलआयजी तिरूपति कासा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवारी महा वेता नगर	टीना बाई पाटीदार पति राहुल मोदी निवासी भाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1772	भू.क्रं एल 10 एलआयजी तिरूपति कासा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवारी महा वेता नगर	कांता बाई पति कैलाश पाटीदार निवासी भाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1773	भू.क्रं 14 का एक भाग 14/2 मैत्री निकुंज कालोनी उज्जैन	रजनी मौर्य पति हरिओम मौर्य निवारी मैत्री निकुंज कालोनी उज्जैन	सीमा बाई पति मुकेश बामनिया निवारी महिदपुर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1774	भू.क्रं 8 ब्लाक न 4 मणी नगर कालोनी नीमनवाराा उज्जैन	स्काई हाईटस डेव्हलपर्स जरामीत कौर पुत्री नरेन्द्ररिंह खनूजा, गुरुसिख एग्रो एण्ड रटेटरा एलएलपी	1 सरिता पति भेरूलाल जी 2 लीला बाई पति रामे वर जी निवासी रामी नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
				रसमीतसिंह मल्होत्रा पिता सरदार अजीतसिह मल्होत्रा निवासी– वार्ड 13 नेहरु वार्ड पिपरिया (म.प्र.)		
05	17	1776	भू.क्रं 58 सर्वे न 1825/1 का भाग प्रेमनगर कालोनी आगर उज्जैन	रूगनाथ पिता भेरूलाल माली द्वारा मोह नईम पिता इकबालखान निवारी मिर्जावाडी	रमाबाई पति मुकेशजी निवारी मोहननगर आगर रोड उज्जैन	विक्रय पत्र
05	17	1777	भू.क्रं 55 रॉयल एन्क्लेव उज्जैन	मेरार्रा फयुचर्रा डैव्लपर्रा द्वारा भागीदार 01 सैययद असद अली पिता रौययद आबिद अली 02 सैययद आमीर अली पिता रौययद हामिद अली निवासी 3 राम प्रसाद भार्गव मार्ग खजूरवाली मरिजद के पास उज्जैन	मुरकान पटेल पिता याकूब पटेल निवासी मिर्जा नईम बेग मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1778	भू.क्रं 140 तिरूपति कासा ग्रीन फेरा 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता रव नारायण दारा जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदारा जी परियानी निवासी महा वेता नगर	मनिशा मुकाति पिता कमल सिंह निवारी भाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1779	भू.क्रं.– 6 सर्वे 163/3 167/210/1 का भाग पंवासा उज्जैन	विश्णु प्रसाद पिता रामनारायण जी पाटीदार निवासी पंवासा	भयामूबाई पति रमेशचन्द्र निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	38	1780	भू.क्रं.– 1/4 पि चम भाग घटकरपर मार्ग उज्जैन	कुलवन्त कौर पति हरभजन सिंह निवारी घटकरपर मार्ग	1 राजदीप रिंह पिता रव हरभजन रिंह अरोरा 2 राजविन्दर सिंह 3 सोनिया 4 रिमरजीत रिंह 5 दिव्यजीत रिंह अरोरा, निवासी घटकरपर मार्ग उज्जैन	भापथ पत्र/मृत्यू प्रमाण पत्र
05	40	1781	भू.क्र– सर्वे 339 का भाग 339/2 भाग उधोगपुरी नीमनवासा उज्जैन	रजिया बानो खान पति अब्दुल रशीद खान निवासी बैक कालोनी के रामने मंदरौर	मोह भाहीद खान पिता अब्दुल रशीद खान निवासी विक्रम नगर ब्रीज उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1782	भू.क्रं 13 म्यु क 13/16 का भाग मैत्री निकुंज कालोनी पंवाराा उज्जैन	करूना पति रमेश चौहान निवासी नारायणपुरा उज्जैन	अर्जुन परमार पिता राजेश परमार निवासी जयसिंहपुरा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	40	1783	भू.क्रं. 159 विनायक पार्क कालोनी पंवासा मक्सी रोड उज्जैन	विनायक डेवलपर्स द्वारा भागीदार 01 संजय पिता प्रेमचन्दजी बापना, 02 भौलेन्द्र पिता प्रेमचन्दजी बापना 03 चेतन पिता स्व मेघराजमलजी केवलानी 04 कमल कुमार माखीजा पिता बुलचन्दजी माखीजा निवासी– 130 संतराम सिंधी कालोनी उज्जैन	उत्तम कुमार पिता बिरेन्द्र प्रसाद निवासी बिहार	विक्रय पत्र
05	40	1784	भू.क्रं.– 41 भांकरपुर उज्जैन	राजाराम पिता पुरा जी धोलपुरे, निवासी तराना	महेश पिता पुरालाल जी निवासी ताजपुर	विक्रय पत्र
05	41	1785	भू.क्रं.– 81 उत्तरी भाग वैकुण्ठधाम कालोनी पाण्ड्याखेड़ी उज्जैन	भांकर मांगीलाल पिता मांगीलाल जैन निवारी अहमदाबाद	1 निर्मला पति सिद्धे वर 2 सिद्धे वर पिता नारायणजी निवारी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	43	1786	भू.क्र– 88 क्वार्टर न 132 लक्ष्मी नगर कालोनी उज्जैन	अरूणा पति रव विजय तिवारी 2 प्रज्ञा 3 स्नेहा 4 वैशाली 5 लता निवासी धार	वरूण तिवारी पिता रव विजय तिवारी निवासी लक्ष्मीनगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	43	1787	भू.क्रं प्रकोश्ठ जी 2 एक स्केवयर लक्ष्मीनगर कालोनी उज्जैन	महेन्द्र कुमार पिता सूरजमल जी जैन 2 मंजुला पति महेन्द्र कुमार जी जैन	गजेन्द्र सिंह पिता बोंदरसिंह निवासी देसाई नगर उज्जैन	विक्रय पत्र

				निवासी गीता कालोनी		
05	40	1788	भू.क्रं 245 तिरूपति कारा ग्रीन फेस 1 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता रव नारायणदास जी परियानी निवारी महा वेता नगर	मोनिका चन्देल पति जीतेन्द्र चन्देल निवासी इंदौर	विक्रय पत्र
05	40	1789	भू.क्रं 122 तिरूपति कारा ग्रीन फेस 2 कालोनी उज्जैन	तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता रव नारायणदास जी परियानी निवारी महा वेता नगर	दीपक वि वकर्मा पिता रमेश जी निवासी पंवासा	विक्रय पत्र
05	41	1790	भू.क्रं 81 वैकुण्ठधाम कालोनी पाण्डयाखेडी उज्जैन	बबीता पति भौलेश मित्तल निवासी पटनी बाजार उज्जैन	भांकर पिता मांगीलाल जी जैन निवासी अहमदाबाद	विक्रय पत्र
05	17	1791	भू.क्रं ई 06 रॉयल एन्क्लेव उज्जैन	मेरार्रा फयुचर्रा डैव्लपर्रा द्वारा भागीदार 01 सैययद असद अली पिता रौययद आबिद अली 02 सैययद आमीर अली पिता सैययद हामिद अली निवासी 3 राम प्रसाद भार्गव मार्ग खजूरवाली मस्जिद के पास उज्जैन	गफफार खान पिता अब्दुल करीम खान निवासी हीरामिल की चाल उज्जैन	विक्रय पत्र
05	17	1792	भू.क्रं 09 सर्वे क 1823 हरिरवामी मार्ग उज्जैन	मुकेश पिता नंदकिशोर जी खत्री निवासी सखीपुरा उज्जैन	तारा पति विलास राव चौधरी निवारी राररवती नगर उज्जैन	विक्रय पत्र
05	17	1793	भू.क्रं.– 02 ब्लाक न 05 उत्तर भाग राज रायल एन्क्लेव कालोनी उज्जैन	रामकृश्ण उपाध्याय पिता ई वर लाल जी, निवारी भांति पैलेस के पास उज्जैन	नासिर हुसैन पिता सलीम हुसैन निवारी रामप्रराद भार्गव मार्ग उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1794	भू.क्रं. 10 ब्लाक न.11 मणीनगर कालानी नीमनवासा उज्जैन	स्काई हाईटस डेव्हलपर्स श्रीमति जसमीत कोर मल्होत्रा पुत्री श्री नरेन्द्रसिंह खनूजा गुरुसिख एग्रो एण्ड स्टेटस एलएलपी ररामीतरिंह मल्होत्रा पिता सरदार अजीतसिह मल्होत्रा निवारी– वार्ड 13 नेहरु वार्ड पिपरिया (म.प्र.)	दीपक पिता अमृतलाल चरावंडे निवासी इन्दौर	विक्रय पत्र
05	40	1795	भू.क्रं.– ई 12 सर्वे 197/2/2 का भाग पंवासा उज्जैन	श्री भाग्य लक्ष्मी इण्डस्ट्रीज व्दारा भागीदार 01 दिनेश पिता माधवजी भायल, 02 मनोज पिता नारायणदासजी हरभजनका 03 विजय पिता गजानन्द चौहान मुख्त्यार आम 01 रांजय पिता गिरिशबाबुजी सक्सेना, 02 प्रेम पिता सुर्यमणी जी मिश्रा निवासी 49 राजेन्द्र नगर उज्जैन	विनीता पति गोकुल सुर्यवंशी निवासी कंवनपुरा उज्जैन	विक्रय पत्र
05	38	1796	भू.क्र– म्यु क 3/3 प्रेम टेड प्रकोश्ठ 105 मुन्ज मार्ग उज्जैन	प्रकाश पिता स्व विमलचन्द्रजी जैन, निवासी राज नगर	वासुदेव पिता सेवाराम पेशवानी निवासी गिरिराज रतन उज्जैन	विक्रय पत्र
05	41	1797	भू.क्रं.– 47 सर्वे 143/1 का भाग शिव रिटी नीमनवासा उज्जैन	गीता पति अशोक यादव निवारी सांदीपनी नगर	बदाम बाई पति बालाराम सूर्यवंशी निवारी महिदपुर	विक्रय पत्र
05	40	1798	भू.क्रं.– 43 व 44 सर्वे 197/2/2 का भाग पंवासा उज्जैन	श्री भाग्य लक्ष्मी इण्डस्ट्रीज व्दारा भागीदार 01 दिनेश पिता माधवजी भायल, 02 मनोज पिता नारायणदासजी हरभजनका 03 विजय पिता गजानन्द चौहान मुख्त्यार आम 01 संजय पिता गिरिशबाबुजी सक्सेना, 02 प्रेम पिता सुर्यमणी जी मिश्रा निवासी 49 राजेन्द्र नगर उज्जैन	प्रेमबाई पति विक्रमसिंह जी अहिरवार निवारी शाजापुर	विक्रय पत्र
05	40	1807	भू.क्रं 88 ब्लाक बी सर्वे 189/4/2/3/1/2 का भाग मयंक परिसर पंवासा उज्जैन	गीता पति अशोक यादव निवारी सांदीपनी नगर	सुमन बाई पति भारत निवारी तराना	विक्रय पत्र

अतः उक्त नामांकन के रांबंध में यदि किरी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर रूचना प्रकाशन दिनांक रो 15 दिवरा के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के राथ अपनी आपत्ति रांबंधित झोन के प्रभारी राहायक राम्पत्तिकर अधिकारी को प्ररतुत करें, नियत अवधी के प वात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नोटः– उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट http://nagarnigamujjain.org/ पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (राम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक: 29/7/2026

क्रमांक: सम्पत्तिकर/2026/209

श्री सत्यनारायण जी शर्मा (रूपेटा वाले) पंचतत्व में विलीन, मुक्तिधाम में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के वरिष्ठ एवं सम्मानित नागरिक श्री सत्यनारायण जी शर्मा (रूपेटा वाले) का 30 जुलाई 2026 को श्रीजी शरण हो गया। वे स्व. महादेव जी जोशी के बड़े पुत्र, ओमप्रकाश, प्रेमनारायण एवं ईश्वरलाल के बड़े भ्राता, स्व. राजेश शर्मा एवं विजय ,जयकिशन (जेकी) के पूज्य पिताश्री, जितेन्द्र, विनोद एवं अनुज के बड़े पापा तथा आदित्य, रुद्राक्ष, हर्ष एवं लक्ष्य तक्षक के दादाजी थे।

शुक्रवार को उनके निवास, पाल्या रोड इंदिरा चौक से अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में परिजन, समाजजन, मित्र एवं शुभचिंतक शामिल हुए। अंतिम यात्रा मुक्तिधाम, नागदा पहुंची, जहां वैदिक विधि-विधान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुक्तिधाम में उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक दिलीप सिंह शेखावत, सुल्तान सिंह शेखावत, राधे जायसवाल सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए वक्ताओं ने कहा कि स्व. सत्यनारायण जी शर्मा का जीवन सादगी, संस्कार, सेवा एवं आत्मीयता का प्रतीक था। उनका सहज एवं मिलनसार व्यक्तित्व सदैव सभी के हृदय में जीवंत रहेगा। उनके निधन से नगर एवं समाज ने एक सम्मानित अभिभावक को खो दिया है।

सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल शर्मा परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

श्री जगन्नाथ पुरी में मनीष भैया की 54वीं श्रीमद्भागवत कथा

बदनावर से 150 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना, नगर में निकला भव्य चल समारोह

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चार धामों में से एक अत्यंत पवित्र एवं पावन श्री जगन्नाथ पूरी धाम में आयोजित होने जा रही श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा कथा हेतु नगर में अपार उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। मालवा के प्रसिद्ध कथा व्यास एवं श्री दुर्गा धाम के संस्थापक मनीष भैया के मुखारविंद से यह कथा प्रारंभ होने जा रही है। इसी तारतम्य में शुक्रवार को नगर में भव्य चल समारोह निकाला गया।

चल समारोह का शुभारंभ दोपहर 12ः00 बजे श्री दुर्गा धाम मंदिर, अणु नगर से निकल कर श्री बैजनाथ महादेव मंदिर परिसर पंहुचा। कथा श्रवण हेतु बदनावर एवं आसपास के क्षेत्र से लगभग 150 श्रद्धालु 3 विशेष बसों के माध्यम से श्री जगन्नाथ पूरी धाम के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर तीर्थयात्रियों को विदा करने बड़ी संख्या में उनके परिवारजन, स्नेहीजन एवं नगर के धर्मप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे। अपनों को पवित्र धाम की धर्मयात्रा पर भेजते समय माहौल अत्यंत भावुक एवं जय श्री जगन्नाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। जगन्नाथ पूरी की इस पावन यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्री आज सर्वप्रथम बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन पहुँचकर भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन एवं पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात पूरी धाम के मार्ग में आने वाले अन्य सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन एवं पूजन करते हुए जगन्नाथ पूरी पहुँचेंगे।

उल्लेखनीय है कि कथा व्यास प. पू. मनीष भैया की यह 54वीं श्रीमद्भागवत कथा है। इससे पूर्व वे देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर कथा की अमृत वर्षा कर चुके हैं और यह उनके जीवन की 5वें धाम पर आयोजित होने वाली भव्य कथा है। इस पावन तीर्थ यात्रा एवं कथा का आयोजन श्री दुर्गा धाम परिवार, बदनावर तथा राठौड़ तीर्थ यात्रा संघ, बदनावर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। चल समारोह के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ जी, श्री बांके बिहारी जी और माता रानी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि एवं जन-कल्याण की कामना की।

कलेक्टर ने आवर गांव में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों का किया अवलोकन

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने शुक्रवार को ग्राम आवर पहुंचकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मिट्टी के खिलौने एवं अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों को देखा। कलेक्टर ने समूह की महिलाओं को इन उत्पादों के बेहतर विपणन एवं ब्रांडिंग की व्यवस्था किए जाने काआश्वासन दिया, जिससे उन्हें उचित बाजार एवं अच्छी आय प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने आजीविका मिशन की लखपति दीदियों से चर्चा कर उनके द्वारा संचालित स्वरोजगार गतिविधियों की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बी.एस. सोलंकी, एसडीएम श्री मिलिंद ढोके, डिप्टी कलेक्टर श्री कमल मंडलोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

चंबल नदी में जहरीला पानी छोड़ने से मची तबाही

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले की देपालपुर विधानसभा के ग्राम सगडोद से गुजर रही चंबल नदी में धार पीतमपुर में लगी फैक्ट्रीयो द्वारा जहरीला केमिकल युक्त पानी छोड़े जाने से नदी में भारी तबाही मच गई है।

पिछले 24 घंटों में नदी के पानी का रंग पूरी तरह बदल गया है। लाखों की संख्या में मछलियां मरकर किनारे पर तैरती हुई दिखाई दे रही हैं। मछलियों के साथ-साथ अन्य जलीय जीव-जंतु भी बड़ी संख्या में मर रहे हैं। इससे नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है।

स्थानीय नरेंद्र मकवाना का कहना है कि नदी का पानी मवेशियों के पीने लायक नहीं बचा है। दुर्गंध के कारण आसपास रहना भी मुश्किल हो गया है। यही अपनी जमीन में अंतर जाएगा और बोरिंग में आएगा आमजन में भी बीमारी फैलने का खतरा रहेगा

इस गंभीर पर्यावरणीय संकट को लेकर इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष किसान नेता मोतीसिंह पटेल ने शासन-प्रशासन से मांग की है किः

1. तत्काल नदी के पानी के सैंपल लेकर जांच करवाई जाए।
2. नदी में जहरीला पानी छोड़ने वाली कंपनीयो और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।
3. मृत मछलियों और जीवों का निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से करवाया जाए ताकि बीमारी न फैले।

मोती सिंह पटेल ने चेतावनी दी है कि यदि 48 घंटे के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की गई और दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो कांग्रेस मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के नेतृत्व में उग्र आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन की संपूर्ण जवाबदारी शासन-प्रशासन और प्रदूषण फैलाने वाली कंपनीयो की होगी।नरेंद्र मकवाना स्थानीय जिसने देखा 9826949861 मोती सिंह पटेल स्थानीय किसान नेता 9977770027

संगठन के पदाधिकारियों का नगर में अनेक स्थानों पर हुआ भव्य स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखंड हिंदू युवा संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों का अकोदिया नगर में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। अंबिका बोरवेल एजेंसी के संचालक हुकुम सिंह मेवाड़ा के नेतृत्व में संगठन के नवनियुक्त शाजापुर जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मेवाड़ा एवं जिला मंत्री दलपत सिंह जादौन का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजहंस मेवाड़ा, रमेश मेवाड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके पश्चात सुंदरसी बस स्टैंड स्थित प्रकाश केवट के प्रतिष्ठान पर पत्रकार रमेश राजपूत के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पत्रकार सुनील वर्मा, दीपक अग्रवाल, प्रकाश केवट, पूर्व सरपंच धर्मेंद्र सिंह ठाकुर, पार्षद राजू फरूट सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने शुभकामनाएं दीं। वहीं नगर के वरिष्ठ जननेता चंगीराम ठाकुर के प्रतिष्ठान पर भी नवनियुक्त जिला अध्यक्ष हेमंत मेवाड़ा का फूल-मालाओं से स्वागत कर लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच धर्मेंद्र सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

पीएनबी कियोस्क सेंटर की मनमानी

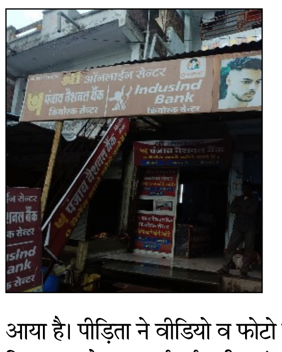

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंजाब नेशनल बैंक की बदनावर शाखा अंतर्गत संचालित कियोस्क सेंटरों पर खाताधारकों से अवैध वसूली और बदसलूकी का मामला गरमा गया है। शिमला माता बस स्टैंड, पेटलावद रोड स्थित पीएनबी कियोस्क सेंटर पर पैसे जमा कराने पहुंची एक महिला उपभोक्ता से प्रति हजार रुपये पर अलग से चार्ज मांगने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने वीडियो व फोटो साक्ष्यों के साथ शाखा प्रबंधक को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। बदनावर निवासी खाताधारक मधुबाला पति समरथ सोलंकी जिनका खाता क्र. 6831001700008004 है, ने बैंक मैनेजर को दिए आवेदन में बताया कि वे बदनावर-पेटलावद रोड स्थित पीएनबी कियोस्क सेंटर पर अपने खाते में राशि जमा कराने गई थीं। आरोप है कि केंद्र संचालक ने रुपये जमा करने से साफ इनकार करते हुए कहा– बैंक शाखा में जाकर जमा करो। अगर यहाँ जमा करना है तो प्रति 1,000 रुपये पर 10 रुपये का चार्ज देना पड़ेगा। पीड़िता का कहना है कि जब खाता और कियोस्क सेंटर दोनों ही पीएनबी के हैं, तो आम ग्राहकों से यह अवैध वसूली क्यों की जा रही है? पीड़िता ने इस पूरी मनमानी की वीडियो व ऑडियो रिकॉर्डिंग बैंक के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर भी भेजी है। पीड़िता मधुबाला ने शाखा प्रबंधक से मांग की है कि उक्त कियोस्क सेंटर के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते हुए इसका लाइसेंस रद्द किया जाए और नया सेंटर आवंटित किया जाए। साथ ही नगरवासियों ने मांग की है कि प्रशासन व बैंक प्रबंधन नगर के सभी कियोस्क सेंटरों का औचक निरीक्षण करे, ताकि लोक-लाज और अज्ञानता के कारण पिसे जा रहे आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। यह कोई पहला मामला नहीं है। बदनावर नगर व ग्रामीण इलाकों में संचालित विभिन्न बैंकों के कई कियोस्क सेंटरों पर इस तरह की खुली लूट आम बात हो चुकी है। इसके बावजूद अधिकांश मामले सामने नहीं आ पाते, जिसके मुख्य कारण हैं आपसी संबंध और पहचान का दबाव। छोटे कस्बों व गांवों में कियोस्क संचालक स्थानीय या परिचित होते हैं। आपसी संबंध खराब होने के डर और ÷रोज़ का काम है÷ सोचकर कई लोग चुपचाप अतिरिक्त पैसे देकर आ जाते हैं और शिकायत करने से बचते हैं। अशिक्षा और जागरूकता की कमी के कारण या कम पढ़े-लिखे ग्रामीण उपभोक्ता नियमों से अनजान होते हैं। उन्हें लगता है कि शायद कियोस्क पर पैसे देने का यही नियम है। संचालक इसी अशिक्षा का फायदा उठाकर उन्हें भ्रमित करते हैं। यदि कोई जागरूक ग्राहक नियम पूछता है, तो उसे सर्वर डाउन का बहाना बनाकर या मुख्य बैंक शाखा में जाओ कहकर लौटा दिया जाता है।

साहित्य के पुजारी 'मुंशी प्रेमचंद जयंती'

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोलाना मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार, भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय गोलना में हिन्दी साहित्य के सितारे मुंशी प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया। संस्था प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. बी.एस. बिभूति ने सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। कार्यक्रम की अगली कड़ी मे प्रथम वक्ता तथा हिंदी साहित्य के शौधार्थी श्री फूलचंद धौलपुरिया ने मुंशी प्रेमचंद जी के जीवन और रचनाओं के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. अनुकूल सोलंकी ने प्रेमचंद के जीवन परिचय और कृतित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और नए-नए तथ्य विद्यार्थियों के सामने रखें। अपने अध्यक्षिय उद्बोधन मे संस्था प्राचार्य डॉ.बी.एस. बिभूति ने विद्यार्थियों के सामने मुंशी प्रेमचंद जी के साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता को उजागर करते हुए उनकी कालजयी रचना गौदान, पुस की रात, ईदगाह एवं नमक का दरोगा इत्यादि के भावार्थ एवं सारांश को समस्त श्रोताओं के समक्ष रखते हुए मुंशी प्रेमचंद जी को सादर नमन किया। उक्त कार्यक्रम मे समस्त स्टॉफ तथा विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डॉ.ओ.पी.वर्मा द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन श्री जीवनलाल शर्मा ने किया।

रेल सुविधाओं के विकास हेतु सक्रिय हुआ यात्री विकास एवं सुझाव मंच

डीआरएम, सांसद एवं आवश्यकता अनुसार रेल मंत्री से सौजन्य भेंट कर रखे जाएंगे यात्रियों एवं क्षेत्रहित से जुड़े सुझाव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विकास, यात्रियों की समस्याओं के समाधान तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गठित यात्री विकास एवं सुझाव मंच, नागदा द्वारा शीघ्र ही मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) से सौजन्य भेंट कर क्षेत्र की रेल आवश्यकताओं एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की जाएगी।

मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा ने बताया कि मंच पूर्णतः सामाजिक, गैर-राजनीतिक एवं जनहित की भावना से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य यात्रियों के सुझावों, समस्याओं एवं क्षेत्र की रेल आवश्यकताओं को तथ्यात्मक, रचनात्मक एवं सकारात्मक रूप से रेलवे प्रशासन तक पहुंचाना है। मंच संवाद, समन्वय एवं सहयोग की भावना के साथ रेल सेवाओं के विकास में अपनी रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि डीआरएम से प्रस्तावित चर्चा के दौरान नागदा जंक्शन से ट्रेनों के विस्तार, आवश्यक ठहराव, नई रेल सेवाओं की संभावनाएं, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्टेशन विकास, स्वच्छता, सुरक्षा तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े सुझाव प्रस्तुत किए जाएंगे।

इसके साथ ही मंच द्वारा आवश्यकता एवं समयानुकूलता के अनुसार क्षेत्र के माननीय सांसद एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से भी सौजन्य भेंट कर क्षेत्रहित एवं यात्री हित से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए उनका सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया जाएगा। आवश्यक होने पर संबंधित उच्च रेलवे अधिकारियों से भी सकारात्मक संवाद स्थापित किया जाएगा तथा अवसर एवं समयानुकूलता मिलने पर रेल मंत्री से भी सौजन्य भेंट कर क्षेत्र की रेल आवश्यकताओं एवं सुझावों से अवगत कराने का प्रयास किया जाएगा।

मंच का मानना है कि रेलवे प्रशासन, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के समन्वित सहयोग से क्षेत्र की अनेक रेल आवश्यकताओं का सकारात्मक समाधान संभव है। इसी उद्देश्य से मंच समय-समय पर यात्रियों एवं नागरिकों से सुझाव प्राप्त कर उनका व्यवस्थित संकलन करेगा तथा उचित माध्यम से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाएगा, ताकि क्षेत्र को अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर मंच के परामर्शदाता कैलाश सनोलिया एवं पंकज मारू, संयोजक चेतन यादव, सुनील त्रिवेदी एवं भवानीसिंह देवड़ा, अध्यक्ष नितीन जैन, सचिव रवि चौहान, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, उपाध्यक्ष सुमेरसिंह सिसोदिया, राजा कर्नावट एवं शंकर (पप्पू) प्रजापत, मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन, जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) गौतम लश्करी तथा संगठन समन्वय सदस्य सी.एम. अतुल, निलेश सोलंकी जैन, प्रमोद कोठारी, हिमांशु वासु ओक्षा, दिनेश सोलंकी, दिनेश सेठिया, अर्जुन राजेरिया, प्रकाश मालपानी, डॉ. सी.एन. शुक्ला एवं भूपेन्द्र चौहान ने मंच के उद्देश्यों को जनहित एवं यात्री हित में उपयोगी बताते हुए सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

मंच ने नगर एवं क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे रेल सेवाओं, यात्री सुविधाओं, स्टेशन विकास तथा क्षेत्र की अन्य रेल आवश्यकताओं से संबंधित अपने सुझाव मंच तक पहुंचाएं। प्राप्त सुझावों को संकलित कर सकारात्मक एवं व्यवस्थित रूप से रेलवे प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सार्थक पहल की जा सके।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सड़क चौड़ीकरण कार्यों की हकीकत देखने निकले अधिकारी

बैरिकेडिंग, गड्ढे भरने, वैकल्पिक मार्ग और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुधारने के दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने दो तालाब, भार्गव नगर, टेगोर चौराहा, हनुमान नाका, हरिफाटक और एमआर-2 मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर व्यवस्थागत कमियों को लेकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई और निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा में काम पूरा करने की सख्त हिदायत दी।

संभागायुक्त आशीष सिंह ने कहा कि सिंहस्थ जैसे विश्वस्तरीय आयोजन के लिए बन रही सड़कें वर्षों तक उपयोग में रहेंगी। इसलिए निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी एजेंसियां तय लक्ष्य के अनुरूप काम में तेजी लाएं और निर्धारित समय में परियोजनाएं पूरी करें। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। इस पर निर्देश दिए गए कि जहां सड़क निर्माण चल रहा है, वहां प्रभावी बैरिकेडिंग की जाए और लोगों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएं। निर्माणाधीन सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोकने पर भी जोर दिया गया, क्योंकि इससे सड़क की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है।

संभागायुक्त ने इंजीनियरों को सड़क पर बने गड्ढों को निर्धारित मानकों के अनुसार भरने, निर्माण सामग्री की नियमित जांच कराने और कार्य की रोजाना मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी तकनीकी कमियां भी समय रहते दूर की जाएं ताकि भविष्य में सड़क की गुणवत्ता प्रभावित न हो।

निरीक्षण में दो तालाब से भार्गव नगर तक करीब 900 मीटर लंबे सड़क चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा की गई। इसमें लगभग 600 मीटर हिस्से में नाली निर्माण, सड़क निर्माण और बिजली के पोल शिफ्ट करने का काम जारी है। वहीं भार्गव नगर से टेगोर चौराहा तक करीब 300 मीटर हिस्से में भी सड़क चौड़ीकरण तेजी से किया जा रहा है।

हनुमान नाका से हरिफाटक चौराहा तक लगभग 400 मीटर लंबे और 18 मीटर चौड़े किए जा रहे मार्ग का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया। यहां निर्माण एजेंसियों को कार्य की गति बढ़ाने और इंजीनियरों को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। नानाखेड़ा बस स्टैंड से देवास रोड तक एमआर-2 मार्ग के निरीक्षण में अधिकारियों ने बताया कि करीब 600 मीटर हिस्से को सर्विस रोड सहित 45 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इस मार्ग पर डिवाइडर सुधार, पौधारोपण और सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान यह मार्ग शहर का प्रमुख यातायात कॉरिडोर होगा। इसलिए इसे सुरक्षित, आधुनिक और सुगम बनाने के सभी कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाएं, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं को निर्बाध यातायात सुविधा मिल सके।

निरीक्षण में मिली ये कमियों, सुधार का कहा- निर्माण स्थलों पर प्रभावी बैरिकेडिंग करने के निर्देश।

-आमजन के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने पर जोर।

-निर्माणाधीन सड़क पर अनावश्यक वाहन आवाजाही रोकने के निर्देश।

-सड़क पर बने गड्ढों को मानक के अनुसार भरने के आदेश।

-निर्माण सामग्री की नियमित गुणवत्ता जांच कराने के निर्देश।

-इंजीनियरों को रोजाना मॉनिटरिंग कर कमियां तत्काल दूर करने की हिदायत।

-सभी परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर।

एक नजर में सड़क चौड़ीकरण की प्रगति-

दो तालाब-भार्गव नगर मार्ग- कुल लंबाई ~ 900 मीटर

-लगभग 600 मीटर हिस्से में नाली, सड़क निर्माण और पोल शिफ्टिंग जारी।

भार्गव नगर-टेगोर चौराहा -करीब 300 मीटर हिस्से में सड़क चौड़ीकरण कार्य प्रगति पर।

हनुमान नाका-हरिफाटक मार्ग -400 मीटर लंबा, 18 मीटर चौड़ा मार्ग तैयार किया जा रहा है।

एमआर-2 मार्ग -600 मीटर हिस्से को सर्विस रोड सहित 45 मीटर चौड़ा किया जाएगा।

-डिवाइडर सुधार, पौधारोपण और सौंदर्यीकरण भी परियोजना का हिस्सा।

विक्रम उद्योगपुरी एवं मेडिकल डिवाइस पार्क की औद्योगिक इकाइयों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एमपीआईडीसी), क्षेत्रीय कार्यालय, उज्जैन द्वारा विक्रम उद्योगपुरी लिमिटेड एवं मेडिकल डिवाइस पार्क, उज्जैन में स्थापित एवं प्रस्तावित औद्योगिक इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई।

विक्रम उद्योगपुरी एवं मेडिकल डिवाइस पार्क प्रदेश की महत्वाकांक्षी औद्योगिक परियोजनाओं में सम्मिलित हैं, जहाँ देश-विदेश की प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयाँ निवेश कर रही हैं। इन दोनों औद्योगिक क्षेत्रों में अब तक 135 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है तथा लगभग ?10,000 करोड़ से अधिक के निवेश के साथ 25,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। अनेक इकाइयों द्वारा निर्माण एवं उत्पादन कार्य प्रारंभ किया जा चुका है, जबकि कई नई परियोजनाएँ स्थापना के विभिन्न चरणों में हैं। इन औद्योगिक परियोजनाओं के सफल संचालन एवं भावी विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड की ओर से मुख्य अभियंता श्री सुरेश चंद्र वर्मा, अधीक्षण अभियंता श्री विनोद कुमार मालवीय एवं कार्यपालन यंत्री श्री उमेश चौरसिया उपस्थित रहे। एमपीआईडीसी की ओर से कार्यपालन यंत्री श्री पी. सिंह सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विक्रम उद्योगपुरी एवं मेडिकल डिवाइस पार्क में स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के उद्योगपति एवं उनके प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता की।

बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने नवीन विद्युत कनेक्शन, विद्युत भार (लोड) वृद्धि, वोल्टेज में उतार-चढ़ाव, बार-बार होने वाली ट्रिपिंग, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, अतिरिक्त फीडर एवं विद्युत अधोसंरचना के विकास, विद्युत लाइनों एवं उपकरणों के नियमित रखरखाव, प्रस्तावित शटडाउन की पूर्व सूचना तथा भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप विद्युत वितरण व्यवस्था के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उद्योगों ने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाली निर्बाध विद्युत आपूर्ति आधुनिक स्वचालित उत्पादन प्रणाली, संवेदनशील मशीनों के सुरक्षित संचालन एवं समयबद्ध उत्पादन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

माकड़ोन-तराना मार्ग पर पलटा ट्रैक्टर, 1 की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में माकड़ोन-तराना मार्ग पर तेजगति से दौड़ता ट्रैक्टर पलटी खा गया। हादसे में एक युवक की दबने से मौत हो गई दूसरा मामूली रूप से घायल हुआ है। मृतक युवक भोपाल का रहने वाला था। माकड़ोन थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम लिंबादित में रात 10.30 बजे ट्रैक्टर पलटने पर एक युवक के दबने की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल माकड़ोन-तराना मार्ग पहुंची थी। एक युवक मामूली घायल हुआ था दूसरा ट्रैक्टर के नीचे दबा था जिसे ग्रामीणों की मदद से बाहर निकल गया। हालत गंभीर होने पर तत्काल उज्जैन रेफर किया गया। चरक अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत होना सामने आया। पुलिस के अनुसार सत्तन पिता राम सिंह राजपूत हिरण खेड़ी बैरसिया भोपाल का रहने वाला था। वह माकड़ोन में शर्मा परिवार के यहां गिट्टी खदान पर काम करता था रात में तराना से डेलची ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। माकड़ोन पुलिस के अनुसार अस्पताल चौकी से मर्ग डायरी मिलने पर आगे की जांच की जाएगी और घटना में मामूली रूप से घायल हुए युवक के बयान दर्ज किए जाएंगे।

विद्युत मंडल के स्टोर रूम में चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्युत मंडल के स्टोर रूम में चोरी करने वाले चार आरोपियों को पुलिस में 12 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। चारों की निशानदेही पर डेढ़ लाख रुपए के विद्युत तार बरामद किए गए। चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।

महिदपुर थाना क्षेत्र के टेंशन चौराहा पर विद्युत मंडल का स्टोर रूम बना हुआ है। गुरुवार दिनदहाड़े अज्ञात बदमाशों ने ताला तोड़कर 200 किलो एल्युमीनियम और 50 किलो तांबे के तार चोरी कर लिए थे। शाम को आउटसोर्स कर्मचारी श्रवणसिंह सोंधिया स्टोर रूम पहुंचा तो चोरी की वारदात का पता चला। कर्मचारी में मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने चोरी करने वालों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखें। एक बदमाश युवक तार का बंडल सिर पर रख जाता दिखाई दिया। जिसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए एसआई अन्नपूर्णा कठेरिया, एन एस कनेश , प्रधान आरक्षक भैरुलाल, विजयसिह, राघव गुर्जर, मोसिम की टीम बनाई गई। कुछ घंटे बाद ही बदमाश युवक की पहचान मनीष पिता ओमप्रकाश पंवार जाति पारदी 19 साल निवासी ग्राम रुद्रखेडा के रूप में हो गई रात में ही उसे दबिश देकर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपने तीन साथी आमीर उर्फ भय्यू पिता पप्पू खान 29 साल निवासी यादव मोहल्ला महिदपुर, फैजान पिता इकबाल खान 19 साल निवासी ईदगाह कालोनी महिदपुर और अबरार पिता भय्यू शाह 23 साल निवासी जैल रोड महिदपुर के साथ मिलकर चोरी करना कबूल कर लिया। रात में ही पुलिस ने चोरी में शामिल तीनों युवकों को हिरासत में लिया और उनके निशानदेही पर ढाई सौ किलो बिजली के चोरी किए गए तार बरामद कर लिए। शुक्रवार दोपहर मामले का खुलासा कर पुलिस ने चारों को कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेजा गया है।

सावन-भादौ में 6 बार नगर भ्रमण पर निकलेंगे भगवान महाकाल

3 अगस्त से 7 सितंबर तक निकलेगी छह सवारियां- दर्शन और जलाभिषेक के लिए विशेष व्यवस्थाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान शिव के प्रिय श्रावण और भादौ माह में धर्मनगरी उज्जैन एक बार फिर शिवभक्ति के रंग में रंगने जा रही है। 30 जुलाई से शुरू हुए सावन और 7 सितंबर तक चलने वाले श्रावण-भादौ पर्व के दौरान भगवान महाकाल 6 बार नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

पवित्र सावन तथा भादौ के महीने में महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन करीब चार लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने दर्शन, जलाभिषेक, आरती और राजसी सवारी को लेकर व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। श्रावण मास के चारों सोमवार और भादौ माह के दो सोमवार को भगवान श्री महाकालेश्वर अपनी पारंपरिक राजसी सवारी में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। पहली सवारी 3 अगस्त को निकलेगी, जबकि अंतिम सवारी 7 सितंबर को होगी। शाम 4 बजे मंदिर परिसर से शुरू होने वाली सवारी प्रमुख मार्गों से होती हुई रामघाट पहुंचेगी, जहां शिप्रा नदी के पावन जल से भगवान महाकाल का जलाभिषेक, पूजन और आरती की जाएगी। इसके बाद सवारी पुनः मंदिर लौटेगी और शाम करीब 7 बजे मंदिर पहुंचेगी।मंदिर प्रशासन के अनुसार, इस बार भी श्रद्धालुओं को आरती दर्शन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कार्तिक मंडप की पहली तीन पंक्तियों से चलित आरती दर्शन की व्यवस्था रहेगी, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु आरती का लाभ ले सकेंगे। सभी राजसी सवारियों में जनजातीय सांस्कृतिक दल अपनी आकर्षक प्रस्तुतियां देंगे। इसके साथ ही पांच एलईडी रथ भी सवारी का हिस्सा रहेंगे, जिनके माध्यम से श्रद्धालु दूर से भी भगवान महाकाल के दर्शन कर सकेंगे।श्रावण-भादौ मास के दौरान मंदिर के पट प्रतिदिन सुबह 3 बजे खुलेंगे, जबकि सोमवार को पट सुबह 2:30 बजे खोले जाएंगे। इसी अनुसार भस्म आरती भी प्रतिदिन सुबह 3 से 5 बजे तथा सोमवार को सुबह 2:30 से 4:30 बजे तक होगी। यह विशेष व्यवस्था 7 सितंबर तक लागू रहेगी। इसके बाद 8 सितंबर से मंदिर की व्यवस्था पूर्व निर्धारित समय के अनुसार संचालित होगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में प्रवेश और निकास की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु सभामंडप और कार्तिकेय मंडपम में स्थापित जलपात्र के माध्यम से भगवान महाकाल को जल अर्पित कर सकेंगे। दर्शन के लिए नंदी द्वार, महाकाल महालोक, मानसरोवर भवन, फेसिलिटी सेंटर-1, टनल परिसर, कार्तिक मंडपम और गणेश मंडपम से होकर प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। वहीं नीलकंठ प्रवेश द्वार की ओर से आने वाले श्रद्धालु निर्धारित मार्ग से दर्शन करने के बाद निर्माल्य द्वार अथवा आपातकालीन द्वार से बाहर निकलेंगे।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी गई है। सवारी मार्ग और मंदिर क्षेत्र में 15 स्थानों पर मेडिकल टीमों की तैनाती रहेगी तथा 24 घंटे एंबुलेंस सेवा उपलब्ध रहेगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम दर्शन का अनुभव मिल सके। श्रावण और भादौ के इन पवित्र दिनों में उज्जैन एक बार फिर शिवभक्ति, आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का केंद्र बनेगा। बाबा महाकाल की राजसी सवारी, विशेष आरती, जलाभिषेक और भव्य व्यवस्थाओं के बीच लाखों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

मंडी शुल्क बढ़ोतरी पर कांग्रेस का हल्ला बोल, 1.5% शुल्क वापस लेने की मांग

उज्जैन कृषि उपज मंडी में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी में मंडी शुल्क 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत किए जाने के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मंडी गेट से मंडी कार्यालय तक रैली निकालकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री के नाम मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस ने बढ़ा हुआ मंडी शुल्क तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए इसे किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हितों के खिलाफ बताया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि वरुण शर्मा ने कहा कि सरकार के इस फैसले से किसानों और व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। मंडी शुल्क बढ़ने का सीधा असर कृषि उपज के व्यापार पर पड़ेगा, जिससे खरीद-बिक्री की लागत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों और व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बढ़ाया गया शुल्क तुरंत वापस लेना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि मंडी शुल्क में वृद्धि का असर केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अनाज की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

इससे किसानों के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं पर भी आर्थिक भार बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इसी मुद्दे को लेकर प्रदेशभर में कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने का अभियान चलाया जा रहा है। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मंडी सचिव राजेश गोयल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि किसानों और व्यापारियों के हितों को देखते हुए मंडी शुल्क को फिर से 1 प्रतिशत किया जाए। इस दौरान मंडी सचिव राजेश गोयल ने स्पष्ट किया कि मंडी शुल्क तय करने का अधिकार राज्य शासन के पास है। मंडी प्रशासन केवल शासन के आदेशों का पालन करता है। उन्होंने बताया कि पहले मंडी शुल्क 2 प्रतिशत था, जिसे बाद में घटाकर 1 प्रतिशत किया गया था। पिछले महीने शासन ने इसे बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा कि मंडी शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग मंडी की आधारभूत सुविधाओं, रखरखाव और विकास कार्यों में किया जाता है। फिलहाल कांग्रेस ने शुल्क वृद्धि वापस लेने की मांग रखी है। अब इस मामले में अंतिम निर्णय राज्य सरकार को लेना है, जिस पर किसानों, व्यापारियों और मंडी से जुड़े लोगों की नजर बनी हुई है।

उज्जैन में 7 माह में मिले 2294 टीबी मरीज, 22 मरीजों की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में इस वर्ष जनवरी से 31 जुलाई तक कुल 2294 नए टीबी मरीज सामने आए हैं। इनमें 1265 पुरुष और 1029 महिलाएं शामिल हैं। इसी अवधि में 22 टीबी मरीजों की मौत भी दर्ज की गई है। यह जानकारी जिला क्षय रोग कार्यक्रम से जुड़े डॉ. अरुण कुशवाहा ने बताया कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह इलाज योग्य बीमारी है। समय पर जांच और नियमित दवा लेने से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग लगातार संदिग्ध मरीजों की जांच, दवा वितरण और उपचार की निगरानी कर रहा है, ताकि संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना या रात में अधिक पसीना आने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं। समय पर पहचान और पूरा उपचार न केवल मरीज को स्वस्थ बनाता है, बल्कि संक्रमण को फैलने से भी रोकता है।

दवा का छिड़क रहे ग्रामीण की करंट लगने से मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दवा का छिड़काव करने गुरूवार देर शाम खेत पहुंचे ग्रामीण को करंट लग गया। रात 10 बजे तक घर नहीं लौटा तो परिजन देखने पहुंचे। वह खेत में बिजली के तार से चिपका दिखाई दिया। उसे चरक अस्पताल लाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। भैरवगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि रात में चरक अस्पताल से करंट लगने से हुई अर्जुन पिता कैलाश चौधरी 35 साल निवासी ग्राम रातडिया की मौत होने की सूचना मिली थी। मामले में मर्ग कायम किया और परिजनों से जानकारी लेने पर सामने आया कि खेत पर सोयाबीन की फसल में दवा का छिड़काव करने गया था। खेत में लगी पानी की मोटर के तार में कट लगा था, दवा का छिड़काव करते समय करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हुई। पुलिस के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज कर घटनास्थल पर जांच की जायेगी।

इधर युवती किया सुसाइड- कोतवाली थाना क्षेत्र के लाल मस्जिद चौराहा पर रहने वाले बागवान परिवार की युवती अंजली पिता धुलजी 22 साल को दोपहर में चरक अस्पताल लाया गया था, जहां उसकी मौत होना सामने आया। डॉक्टरों ने जहरीला पदार्थ खाने से मौत होने की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली थाना प्रधान आरक्षक प्रतिक्षा ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों के बयान दर्ज नहीं हो सके है। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद अंजली की मौत का कारण स्पष्ट हो पायेगा।

स्वाधीनता से लेकर सुराज तक की चिंता है प्रेमचंद के कथा साहित्य में : प्रो. शर्मा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन की हिंदी अध्ययनशाला, प्रेमचंद सृजन पीठ तथा डॉ. देवेंद्र जोशी स्मृति साहित्य विमर्श परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में मुंशी प्रेमचंद जयंती के अवसर पर ÷प्रेमचंद के कथा साहित्य और स्वाधीनता आंदोलन÷ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वाग्देवी भवन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लोकमनीषी एवं समालोचक डॉ. धर्मेंद्र पारे (भोपाल) थे, जबकि अध्यक्षता कुलानुशासक एवं समालोचक प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेंद्र पारे ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुंशी प्रेमचंद का साहित्य आज भी भारतीय लोकतंत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद के कथा साहित्य के आधार पर लोकतंत्र का सुंदर और मानवीय स्वरूप गढ़ा जा सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रेमचंद के साहित्य में मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक चेतना भी सशक्त रूप से उपस्थित है। बुंदेलखंड के वीर हरदौल, महाराजा छत्रसाल और राजा चंपतराय जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के योगदान का उन्होंने अत्यंत जीवंत चित्रण किया है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद ने कागज पर लिखे शब्दों का जीवन की वास्तविकताओं से गहरा सामंजस्य स्थापित किया। उनके कथा साहित्य की चिंता केवल स्वाधीनता और स्वराज तक सीमित नहीं रही, बल्कि सुराज की स्थापना तक विस्तृत है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद ने अपने साहित्य में स्वाधीनता संग्राम की चेतना और जनभावनाओं को सजीव रूप से अभिव्यक्त किया। उस समय उन्होंने अपनी कलम को सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय चेतना का प्रभावी हथियार बनाया। उनकी कहानियों ने देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाया और ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना को मजबूत किया।

पूर्व महाप्रबंधक डॉ. शशांक दुबे ने प्रेमचंद के साहित्य पर आधारित महत्वपूर्ण सामाजिक फिल्मों की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। ललित कला विभागाध्यक्ष प्रो. जगदीश चंद्र शर्मा ने कहा कि प्रेमचंद ने भारतीय समाज की विसंगतियों का यथार्थ चित्रण करते हुए उनके समाधान भी प्रस्तुत किए हैं।

कवयित्री श्रीमती सीमा देवेंद्र जोशी ने प्रेमचंद को समर्पित सरस छंदों का पाठ किया, जबकि साहित्यकार श्री संतोष सुपेकर ने अपनी लघुकथा का वाचन किया।

ड्रग्स की सप्लाई पर जारी रहेगा प्रहार-एडीजी गुप्ता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश को नशा मुक्त बनाने का 15 दिवसीय अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का गुरूवार को समापन हो गया। इस मौके पर संभाग के एडीजी राकेश गुप्ता ने संदेश जारी किया और कहा कि ड्रग्स की सप्लाई पर पुलिस का प्रहार जारी रहेगा। युवाओं को लगातार जागरूक किया जायेगा।

मादक पदार्थ ड्रग्स की लत में डूबते युवाओं को बचाने के लिये प्रदेश सरकार और पुलिस मुख्यालय की ओर से जागरूकता अभियान चलाये जा रहे है। 15 जुलाई से अभियान में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 की शुरूआत की गई थी। जिसका 30 जुलाई को समापन हो गया। अभियान में 15 दिनों से पुलिस स्कूलों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थानों के साथ गली-मोहल्लों में नशे से दूरी के लिये जागरूकता के लिये पहुंची और विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि ड्रग्स, शराब और किसी भी तरह के मादक पदार्थ का सेवन नहीं करेंगें। पुलिस का अभियान सफल रहा, लेकिन अभियान के समापन पर उज्जैन संभाग के एडीजी राकेश गुप्ता ने फिर से कमान संभाल ली। उन्होने संदेश जारी किया और बताया कि नशे से दूरी है जरूरी को समाप्त नहीं माना जायेगा। नशामुक्त समाज का निर्माण करने के लिये जन जागरूकता के प्रयास निरंतर जारी रहेगें। पुलिस समाज में ड्रग्स की डिमांड को कम करने के लिये कदम उठा रही है। ड्रग्स के दुष्परिणामों को कम करने के साथ उसकी सप्लाई पर भी प्रहार किया जायेगा। ड्रग्स की डिमांड तभी कम होगी, जब जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं को संदेश पहुंचा सकेगें। उन्होने अपने संदेश में युवाओं से अपील करते हुये कहा कि वह नशे से दूर रहे, अपने परिवार और समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। मादक पदार्थ के अवैध कारोबार में शामिल व्यक्ति की सूचना पुलिस तक पहुंचाये। जनसहभागिता के साथ पुलिस के संयुक्त प्रयासों से ही नशामुक्त, सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।

मुख्यमंत्री बाल हृदय रोग योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय हृदय रोग शिविर सम्पन्न

103 बच्चों की विशेषज्ञ जांच, 44 बच्चों को सर्जरी के लिए किया गया चिन्हित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत मुख्यमंत्री बाल हृदय रोग योजना के तहत शुक्रवार को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (डीआईसीसी), चक भवन, उज्जैन में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के लिए जिला स्तरीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिलेभर से चिन्हित बच्चों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच कर आवश्यक उपचार संबंधी परामर्श प्रदान किया गया।

शिविर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की ग्रामीण एवं शहरी टीमों द्वारा चिन्हित हृदय रोग से ग्रस्त बच्चों को लाया गया। बच्चों की जांच जिले के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. महेन्द्र अहिरवार तथा एसआरसीसी हॉस्पिटल, मुंबई से आए पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सुप्रतिम सेन ने की। शिविर का संचालन डॉ. अशोक कुमार पटेल एवं आरबीएसके की डीआईसीईएम विनिशा सोलंकी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

शिविर के दौरान सभी पंजीकृत बच्चों की निःशुल्क ईकोकार्डियोग्राफी (ईको) जांच की गई तथा जांच रिपोर्ट उनकी चिकित्सीय फाइलों के साथ संलग्न की गई, जिससे आगे के उपचार में सुविधा मिल सके।

शिविर में कुल 103 बच्चों का पंजीयन हुआ। इनमें से 44 बच्चों को हृदय सर्जरी के लिए चिन्हित किया गया, 8 बच्चों को फॉलोअप के लिए रखा गया, जबकि 51 बच्चों की जांच सामान्य पाई गई।